आषाढ़ शुक्ल पक्ष -3, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 18 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
08 जुलाई 2024 सोमवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
27 अधिकतम
23 न्यूनतम

Page- 7

चुनाव के वक्त कांग्रेस *छोड़ने* के बाद उपकृत होने वाले पहले नेता

मंत्री बने रावत मगर दो बार लेनी पड़ी शपथ, अब इस्तीफे पर सवाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

चुनाव के वक्त कांग्रेस का दामन छोड़कर भाजपा का दामन थामने वाले रामनिवास रावत को आज मंत्री बना दिया गया, राज्यापाल मंगुभाई पटेल ने उन्हें शपथ दिलाई लेकिन इसके लिए उन्हें दो बार शपथ लेना पड़ी। यह भी संभवतः पहली बार ही हुआ है कि रावत ने 'तकनीकी तौर' पर कांग्रेस विधायक रहते हुए भाजपा सरकार में मंत्री पद की शपथ ले ली। कांग्रेस हमलावर है। हालांकि इस पर असमंजस की स्थिति भी है। माना जा रहा है कि वे अब विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र तोमर से मिलकर इस्तीफा दे सकते हैं।

रावत ने यादव मंत्रिमंडल के विस्तार के तहत जगह पाई। इसके लिये आज सुबह राजभवन में संक्षिप्त समारोह में रावत ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ तो ली लेकिन उनकी गफलत के चलते उन्हें दोबारा शपथ दिलाना पडी। दरअसल, रावत को आज कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण करनी थी, लेकिन वे शपथ ग्रहण समारोह में राज्य के मंत्री के स्थान पर राज्यमंत्री पढ़ गए। इस मौके पर मुख्यमंत्री मोहन यादव, समेत कई मंत्री व अफसर मौजूद थे।

रावत ने लोकसभा चुनाव के ऐन पहले 30 अप्रैल को कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया था। वे श्योपुर जिले की विजयपुर सीट से छठी बार विधायक चुने गए थे। वे कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष भी रहे है। रावत के भाजपा में जाने से ग्वालियर-चंबल में पार्टी को मजबूती मिली और मुरैना सीट पर नजदीकी हार मिली। यही वजह है कि प्रदेश से लेकर केंद्रीय नेतृत्व तक रामनिवास रावत के नाम पर पहले ही स्वीकृति दे चुका था। हालांकि मोहन कैबिनेट में अभी भी तीन मंत्री पद खाली हैं। सूत्रों की मानें तो आज रावत के अलावा दो और विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने का विचार था,इस पर देर रात भाजपा नेताओं की बैठक भी हुई थी, लेकिन फिलहाल इसे टाल दिया गया है। कांग्रेस से भाजपा में आए विधायकों में अमरवाड़ा सीट से पद छोड़कर उपचुनाव लड़ रहे कमलेश शाह और बीना से विधायक निर्मला सप्रे भी शामिल हैं। अभी कैबिनेट में सीएम समेत 31 मंत्री हैं और अधिकतम सीमा 34 की है। गौरतलब है कि विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने दो दिन पहले ही रावत व निर्मला सप्रे की सदस्यता समाप्त करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष याचिका प्रस्तुत की थी। सप्रे व रावत यह तर्क देते रहे हैं कि उन्होंने भाजपा की सदस्यता ही नहीं

कांग्रेस विधायक को शपथ, पटवारी का तीखा विरोध

रावत के मंत्री पद पर शपथ लेने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि यह स्थापित परंपरा है कि सरकार और विपक्ष अलग होते हैं, लेकिन लोकतंत्र की हत्या व कुर्सी की सौदेबाज़ी के लिए कुख्यात भाजपा ने कांग्रेस विधायक को ही मंत्री पद की शपथ दिला दी! यह लोकतंत्र और संविधान का प्रमाणिक अपमान है। जबकि, कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत की विधानसभा सदस्यता समाप्त करने के लिए भी विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष पर्याप्त आधार एवं प्रमाणिकता के साथ प्रतिवेदन दिया था! दुर्भाग्य से उन्होंने भी कर्तव्य-पालन नहीं किया। पटवारी ने कहा है कि राज्यपाल को भी लोकतंत्र की परंपराओं का पालन करना था। संविधान के शीर्ष पद से भी असहमति दर्ज नहीं की गई।

नीट की दोबारा परीक्षा.. सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर नजरें

केंद्र का तर्क ऐसा करना 'अनुत्पादक' होगा

नई दिल्ली , एजेंसी।

विवादों में घिरी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा स्नातक (नीट-यूजी) से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट आज सुनवाई करेगा। इनमें 5 मई को हुई परीक्षा में गड़बड़ी के आरोप वाली तथा परीक्षा फिर से कराने का निर्देश देने की मांग वाली याचिकाएं शामिल हैं। इस फैसले पर सभी की नजरें हैं क्योंकि केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी जो नीट- यूजी आयोजित करती है, ने हाल ही में शीर्ष अदालत को बताया कि परीक्षा को रद्द करना 'अनुत्पादक' होगा और बड़े पैमाने पर किसी भी सबूत के अभाव में लाखों ईमानदार उम्मीदवारों को 'गंभीर रूप से खतरे में' डालेगा।

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड सूची के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला, जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ नीट से संबंधित 38 याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। पांच मई को हुई परीक्षा में करीब 24 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। परीक्षा में प्रश्न पत्र लीक से लेकर प्रतिरूपण तक कथित बड़े पैमाने पर कदाचार को लेकर छात्रों और राजनीतिक दलों द्वारा मीडिया बहस और विरोध प्रदर्शन के केंद्र में रहे हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और एनटीए ने शीर्ष अदालत में अलग-अलग हलफनामे दायर किए हैं, जिसमें उन याचिकाओं का विरोध किया गया है, जिनमें परीक्षा को रद्द करने, दोबारा परीक्षा कराने और इसमें शामिल सभी मुद्दों की अदालत की निगरानी में जांच की मांग की गई है। अपने जवाब में उन्होंने कहा है कि देश की प्रमुख जांच एजेंसी सीबीआई ने विभिन्न राज्यों में दर्ज मामलों को अपने हाथ में ले लिया है।

फ्रांस में सियासी उलटफेर के आसार, हिंसा भड़की

नई दिल्ली , एजेंसी।

ब्रिटेन और ईरान में बड़े सियासी उलटफेर के बाद अब फ्रांस पर दुनिया की निगाहे हैं। फ्रांस के संसदीय चुनाव में भारी उलटफेर संभावित है। चुनाव के पहले अनुमानित परिणामों की घोषणा के बाद पेरिस में जमकर बवाल मचा है और पुलिस के साथ प्रदर्शनकारियों की झड़प हुई हैं। एग्जिट पोल में अप्रत्याशित रूप से वामपंथी गठबंधन को सबसे अधिक सीटें मिली हैं जबकि राष्ट्रपति मैक्रों की पार्टी दूसरे नंबर पर है। मजबूत मानी जा रही ले पेन की धुर दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली तीसरे नंबर पर रही है। किसी भी दल या गठबंधन को बहुमत न मिलने से फ्रांस में राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता देखने को मिल सकती है। गठबंधन की बढ़त के एग्जिट पोल के बाद फ्रांस की सड़कों पर हिंसा भड़क उठी। राजनीतिक तनाव बढ़ने की आशंका के चलते पूरे देश में 30,000 दंगा विरोधी पुलिस तैनात कर दी है।

पीएम मोदी रूस रवाना, रात को पुतिन संग डिनर, चीन सतर्क

नई दिल्ली , एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दो दिवसीय रूस दौरे पर रवाना हो गए हैं। विमान में सवार होने से पहले पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'अगले तीन दिन रूस और ऑस्ट्रिया की यात्रा पर रहूंगा। ये यात्राएं उन देशों के साथ संबंधों को गहरा करने का एक शानदार अवसर होंगी, जिनके साथ भारत की मित्रता है।' रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए पीएम मोदी सोमवार को आमंत्रित किया है। रूस और यूक्रेन युद्ध के बाद यह पहला मौका है, जब पीएम मोदी मॉस्को जा रहे हैं। शाम को दोनों नेता साथ में डिनर करेंगे। बहरहाल इस यात्रा में दोनों देशों के बीच विभिन्न मुद्दों पर समझौते होगे। खासतौर पर डिफेंस डील पर चीन और पाकिस्तान की भी नजर रहेगी।

मुंबई में बरसी आफत, ट्रेन रद्द, स्कूल-कालेज बंद

मुंबई , एजेंसी।

देर रात दो बजे से आज सुबह तक मुंबई में आसमान से आफत बरसी। करीब 300 मिमी से ज्यादा बारिश से कई निचले इलाकों में जलभराव हो गया। इसके चलते ट्रैक पर पानी भरने के कारण मुंबई डिवीजन की 5 ट्रेनें कैंसिल कर दी गई। वहीं कुछ लोकल ट्रेनें भी कई घंटों की देरी से चल रही हैं। मुंबई में बीएमसी ने सरकारी और प्राइवेट स्कूल-कॉलेजों में आज के लिए छुट्टी घोषित कर दी है। रायगढ़ फोर्ट में भी तेज बारिश के चलते कई पर्यटक फंसे हुए हैं।

उधर मौसम विभाग ने आज 11 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड में पिछले 4 दिनों से जारी तेज बारिश के चलते केदारनाथ, बद्रीनाथ हाईवे समेत 115 से ज्यादा स?कें बंद हो गई। कई रास्ते लैंडस्लाइड की वजह से तो कुछ बह जाने के कारण बंद हो गए। इसके बाद चार धाम यात्रा रोक दी गई। इससे जगह-जगह 6 हजार श्रद्धालु फंसे हैं। गंगा, समेत 6 नदियां खतरे के निशान के करीब बह रही हैं।

मध्यप्रदेश में भी दो सिस्टम

मध्यप्रदेश के ग्वालियर-चंबल में लगातार चौथे दिन भारी बारिश का अलर्ट है। भोपाल में ही आज सुबह करीब डेढ़ घंटे बारिश हुई। इंदौर संभाग के जिलों के साथ छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सागर, शाजापुर, राजगढ़, निवाड़ी और सिवनी में भी तेज बारिश हो सकती है। मप्र में इस वक्त दो सिस्टम एक्टिव हैं।

स्कूली बच्चों से ठसाठस बस पलटी, कई घायल

पंचकूला , एजेंसी।

आज सुबह हरियाणा के पंचकूला में पिंजोर के पहाड़ी क्षेत्र के पास सड़क परिवहन की बस पलटने से बड़ा हादसा हो गया। बस में सवार 40 स्कूली बच्चों के साथ अन्य यात्री भी घायल हुए हैं। गंभीर रूप से घायल एक महिला को चंडीगढ़ पीजीआई रेफर किया गया है। हादसा कैसे हुआ इसकी जांच जारी है। अब तक पता चला है कि बस में जरूरत से ज्यादा यात्री भरे थे। दरअसल, ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों के बच्चे रोडवेज की बसों में सवार होकर जाते हैं। यही कारण है कि बस में सवारियां ज्यादा हो गई थीं। एक मोड पर चालक बस को कंट्रोल नहीं कर सका और बस पलट गई।

मेट्रो एंकर

देश में इस संक्रमण के कई मामले व मौतें

दिमाग खाने वाला अमीबा हो रहा है सक्रिय

नई दिल्ली , एजेंसी।

हाल में केरल के कोझिकोड में दिमाग खाने वाले अमीबा ने एक 14 साल के बच्चे की जान ले ली है। मृदुल नाम का यह लडका एक छोटे तालाब में नहाने गया जिसके बाद वह संक्रमित हुआ। उसे विदेश से बुलाई दवा के जरिये ठीक करने की कोशिशें हो रहीं हैं इस बीमारी को अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस (पीएएम) नाम से जानते हैं जो या फाउलेरी नामक अमीबा की वजह से होती है। जब पानी के जरिये यह अमीबा शरीर में पहुंचता है तो महज चार दिन के अंदर यह इंसान के नर्वस सिस्टम यानी दिमाग पर वार शुरू कर देता है। 14 दिन के अंतराल में यह दिमाग में सूजन पैदा कर देता है जिसकी वजह से मरीज की मौत हो जाती है। केरल में ही इस बीमारी से यह तीसरी मौत है। हालांकि देश के विभिन्न अस्पतालों में अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस बीमारी के मामले सामने आते रहे हैं।

इधर केंद्र सरकार के एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) के मुताबिक, अब तक केरल से लेकर हरियाणा और चंडीगढ़ तक 22 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से छह मौत 2021 के बाद दर्ज की गई। केरल में पहला मामला 2016 में सामने आया तब से अब तक यहां आठ मरीज मिले हैं और सभी की मौत हुई। नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार, 2019 तक देश में इस बीमारी के 17 मामले सामने आए लेकिन कोरोना महामारी के बाद कई तरह के संक्रमणों में उछाल देखने को मिला है।

मिट्टी और गर्म ताजे पानी में रहता है इसका ठिकाना

अमेरिका के सेंटर ऑफ डिसीज कंट्रोल के मुताबिक पीएएम एक ब्रेन इंफेक्शन है जो अमीबा या नेगलेरिया फाउलेरी नामक एकल-कोशिका वाले जीव से होता है। यह अमीबा मिट्टी और गर्म ताजे पानी, जैसे झीलों, नदियों और गर्म झरनों में रहता है। इसे आमतौर पर 'दिमाग खाने वाला अमीबा' कहा जाता है क्योंकि जब अमीबा युक्त पानी नाक में जाता है तो यह ब्रेन को इंफेक्टेड कर देता है। इसे सिर्फ एंटीबायोटिक्स से दवाओं से ही नियंत्रित नहीं किया जा सकता।

विश्वास मत हासिल करने की कोशिश में सोरेन, चर्चा शुरू

रांची। झारखंड के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में सत्ता संभालने वाले हेमंत सोरेन ने आज विधानसभा में विश्वास मत पेश किया। झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ महतो ने विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के लिए एक घंटे का समय आवंटित किया है। हाल में जेल से जमानत पर बाहर आने के बाद सोरेन ने सीएम का पद फिर संभाला है। हालांकि सदन में उनके दल जेएमएम को 44 से अधिक विधायकों का समर्थन मिलने की उम्मीद है।

जब दोनों मर्जी से रिलेशन में थे, बलात्कार कैसे मानें: हाइकोर्ट

जबलपुर । मप्र हाईकोर्ट ने एक महिला की शिकायत पर व्यक्ति के खिलाफ दर्ज बलात्कार के मामले को यह कहते हुए रद्द कर दिया है कि दोनों 'मर्जी' से 10 साल से अधिक समय से रिलेशनशिप में थे। जस्टिस संजय द्विवेदी ने आदेश में यह भी कहा कि ये मामला कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग प्रतीत होता है। यह कटनी से जुडा मामला बताया जाता है जहां इस व्यक्ति के खिलाफ नवंबर, 2021 में बलात्कार और अन्य आरोपों के लिए मामला दर्ज किया गया था। राहत के लिए उसने हाईकोर्ट का रुख किया। कोर्ट ने कहा कि महिला और पुरुष शिक्षित हैं और 10 साल से अधिक समय से अपनी 'अपनी मर्जी' से शारीरिक संबंध बना रहे थे। जब आदमी ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया तो उनका रिश्ता टूट गया। इसका मतलब यह नहीं कि याचिकाकर्ता के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज किया जा सकता है। इस मामले को धारा 375 के तहत परिभाषित बलात्कार का मामला नहीं माना जा सकता है।

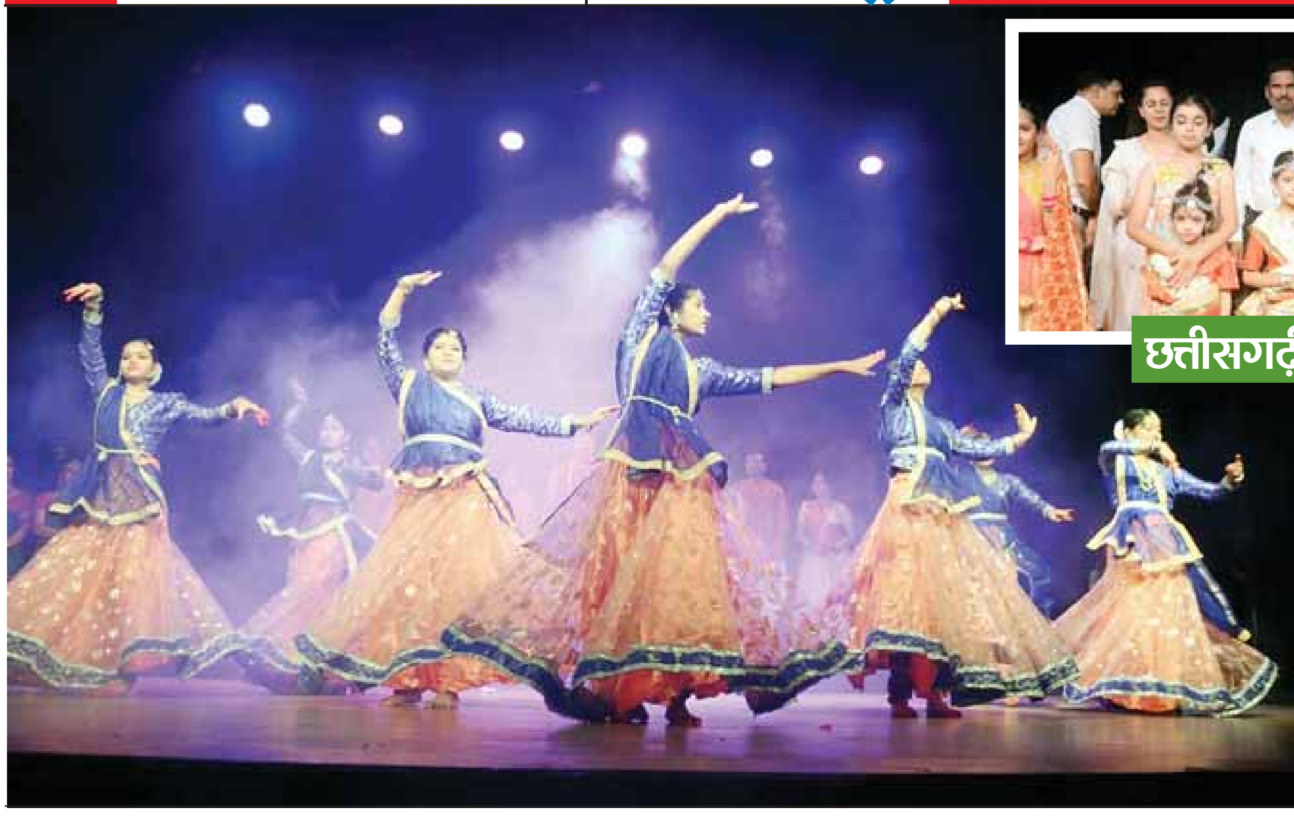

छत्तीसगढ़ी गोंडी व करमा नृत्य

शहीद भवन में आदिवासी सेवा मंडल के 10 वर्ष पूरे होने पर सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ जिसमें नृत्य नाटिका, छत्तीसगढ़ी गोंडी व करमा नृत्य आयोजित किया गया। जिसमें कलाकारों को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और विधायक ओमकार सिंह मरकाम द्वारा सम्मानित किया गया। फोटो निर्मल व्यास

आरजीपीवी की डिप्लोमा फार्मेसी के लिए फिर बनेंगे केंद्र

भोपाल। आरजीपीवी की डिप्लोमा विंग द्वारा अगले माह अगस्त में डिप्लोमा फार्मेसी की परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा नियंत्रक द्वारा नए कॉलेजों के अनुसार परीक्षा केन्द्र बनाए जाने के लिए कॉलेजों को निर्देश जारी किए हैं। इसके अनुसार, डिप्लोमा फार्मेसी की परीक्षा अगस्त में आयोजित की जानी है। सत्र 2023-24 में डिप्लोमा फार्मेसी के कॉलेज काफी संख्या में खुले हैं। इसलिए परीक्षा केन्द्रों का पुनर्निर्धारण किया जाना है। इसलिए कॉलेजों को 8 जुलाई तक जानकारी अपडेट करने को कहा गया है।

भागवत गीता में एमए : 15 तक आवेदन

भोपाल। इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) में भगवद् गीता से एमए के लिए 15 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन किए जाएंगे। प्रवेश के साथ ही री-रजिस्ट्रेशन भी होंगे। नए कोर्सों में मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन के तहत एग्री बिजनेस मैनेजमेंट, कंस्ट्रक्शन मैनेजमेंट, लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाई चैन मैनेजमेंट, हेल्थ केयर एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट जैसे कोर्स की काफी डिमांड है। इसी के साथ एमएससी होम साइंस के तहत कम्युनिटी डेवलपमेंट एंड एक्सटेंशन के दो कोर्स है। इन कोर्सेस के अलावा उर्दू भाषा में एमए, एग्रीकल्चर कॉस्ट मैनेजमेंट में डिप्लोमा पीजी डिप्लोमा इन मेंटल हेल्थ पीजी डिप्लोमा इन रिहैबिलिटेशन साइकोलॉजी, डिप्लोमा इन फैशन डिजाइन एंड रिटेल सहित अन्य कोर्स भी खास हैं।

आपसी समन्वय नहीं बनने यह हालात बने...

5 दिन बंद सिटी बसें, जिम्मेदार चुप, अब नागरिकों की फजीहत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के दस रूट्स पर चलने वाली 149 लो-फ्लोर बसों का संचालन पांच दिन से नहीं होने से लोग बेहद परेशान हो गये हैं। कामकाजी दिनों में यह तकलीफ ज्यादा महसूस हो रही है। इसके चलते उक्त रूट के हजारों बस यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। टिकट एजेंसी चलो एप ने प्रति किलोमीटर दी जाने वाली राशि घटाने की मांग की है। इसका विरोध बस आपरेटर मां एसोसिएट द्वारा किया जा रहा है। इस संबंध में बीसीएलएल के अफसरों ने बस आपरेटर से बात की, लेकिन बस आपरेटर प्रति किलोमीटर से दी जाने वाली राशि को घटाने की मांग को नहीं स्वीकार रहा है। इस वजह से यह मामला उलझा हुआ है। दरअसल, शहर के 115, 113, 116, 205, 204, 208, एसआर-8, टीआर-1, 311 और 106 रूट पर बसों का संचालन नहीं हो रहा है। जबकि यहां से बसों का उपयोग करने वाले करीब 50 हजार से अधिक यात्री प्रभावित हो रहे हैं। बस संचालन के जिम्मेदारों के आपसी मसले में शहर की जनता बेवजह पिसती जा रही है। बीसीएलएल के अधिकारियों ने चुप्पी साध रखी है।

ज्यादा उलझ सकता है मामला

यह मामला इसलिए भी उलझने की आशंका है क्योंकि बीसीएलएल की ओर से नई टिकिट कलेक्शन एजेंसी हायर करने के लिए टेंडर जारी कर दिया है। अनुमान है कि बीसीएलएल टेंडर की शर्तों का हवाला देकर चलो एप कंपनी से काम छीनने की तैयारी में है। क्योंकि चलो एप को 2022 से 2028 तक के लिए काम दिया गया था।

विधानसभा में उठा था खरीदी मामला

लो फ्लोर बसों की खरीदी में भ्रष्टाचार का मामला विधानसभा के हालिया सत्र में गूंजा था। कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने कहाथा कि बसों की खरीदी में कांट्रेक्टर ने तय संख्या में की खरीदी नहीं की। भोपाल में 450 में से 150 व जबलपुर में 200 में 50 बसें ही कांट्रेक्टर संचालित कर रहा है। बावजूद इसके कांट्रेक्टर के लिए 7 करोड़ रुपए सालाना अतिरिक्त बतौर ऑपरेशनल कॉस्ट के देने का निर्णय लिया गया है। इस पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने जांच के आदेश भी दिए हैं।

हमीदिया अस्पताल के इमर्जेंसी वार्ड की छत आधी रात को गिरी

मरीज और डाक्टर भागे बाहर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के सबसे बड़े अस्पताल हमीदिया में आधी रात के बाद इमरजेंसी वॉर्ड की फॉल सिलिंग गिरने से हड़कंप मच गया। हादसा उस वक्त हुआ जब डॉक्टर सौमित्र मरीजों को देख रहे थे। यह वही कमरा है जहां पर पर्चा बनवाने के बाद मरीज सबसे पहले पहुंचते हैं। बताया जाता है कि रात 12.10 बजे इमरजेंसी वॉर्ड में डाक्टर जब केबिन में मरीज देख रहे थे तभी खिड़की के पास की फॉल सीलिंग भरभरा कर गिर गई। डाक्टर और पेशेंट केबिन से तुरंत बाहर भागे। हालांकि दोनों को कोई चोट नहीं आई। फॉल सीलिंग गिरने की जानकारी वरिष्ठ

अधिकारियों को दे दी है।

उल्लेखनीय है कि हमीदिया अस्पताल को नया रंग रूप देने के बावजूद यहां की अव्यवस्था दूर नहीं हो रही है। बीती रात जो हादसा हुआ उस इमरजेंसी वार्ड का उद्घाटन अगस्त 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया था। इमरजेंसी में रोज लगभग 150 से अधिक केस आते हैं। बताया जाता है कि यह बिल्डिंग 727 करोड़ रुपए की लागत से तैयार की गई थी। उस समय गांधी मेडिकल कॉलेज में नए ओपीडी ब्लॉक का भूमिपूजन भी किया था। तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने भी तब कहा था कि मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी मेडिसिन डिपार्टमेंट में मरीजों को वर्ल्ड क्लास ट्रीटमेंट मिले,इसके प्रयास किये गये हैं।

बिल्डिंग परमिशन फिर से मिलने में लग सकता है एक महीना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नगर निगम द्वारा दी जाने वाली बिल्डिंग परमीशन बंद होने से लोगों को दिक्कतें होने लगी हैं। टीएनसीपी से ऑथराइजेशन नहीं होने के कारण बंद किए गए आर्किटेक्ट के कंसोल (पोर्टल) 10 दिन बाद भी शुरू नहीं हुए हैं। जबकि, कहा जा रहा है कि अधिकांश आर्किटेक्ट की ओर से आवेदन हफ्तेभर पहले ही नगर निगम की बिल्डिंग परमिशन शाखा में किए जा चुके हैं।

ऐसे में माना जा रहा है कि अभी आवेदन और कागजों के परीक्षण में वहां भी समय लगेगा। ऐसे जिस रफ्तार से प्रक्रिया चल रही है। ऐसे में महीनाभर और उससे भी अधिक समय लगने का अनुमान है। इधर, कंसोल बंद होने से लोगों को बिल्डिंग परमिशन लेने के लिए परेशान होना पड़ रहा है। दरअसल निगम ने शहर के अलग-अलग इलाकों के 37 आर्किटेक्ट को अधिकृत किया है। लोगों को निर्माण के लिए बिल्डिंग परमिशन यही आर्किटेक्ट जारी करते हैं। शहर में रोज 30 से 40 परमिशन इनकी ओर से जारी होती रही हैं। यह व्यवस्था 2015-16 से है।

जून से बंद हो पोर्टल- आर्किटेक्ट का कहना है कि बिल्डिंग परमिशन शाखा की ओर से बिना किसी पूर्व सूचना के 28 जून को कंसोल बंद कर दिए गए थे। जब आर्किटेक्ट बिल्डिंग परमिशन शाखा पहुंचे तो उनको इस बारे में पता चला। ऐसे में आर्किटेक्ट ने आवेदन भी कर दिए। लेकिन, अब तक इनके आवेदन बिल्डिंग परमिशन शाखा की ओर से टीएनसीपी डायरेक्टर ऑफिस नहीं भेजे गए हैं।

मातृ शक्ति को आगे करता है निरंकारी मिशन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

निरंकारी मिशन के जोन भोपाल 24 एए की ब्यावरा ब्रांच में शनिवार को ज्ञान प्रचारक बहन कुमुद की हुजूरी में निरंकारी महिला संत समागम हुआ। इस अवसर पर पूरे भोपाल जोन से हजारों की संख्या में श्रद्धालु बहनें महिला संत समागम में पहुंची।

समागम के दौरान विभिन्न श्रद्धालु बहनों ने गीत, संगीत,कविता, विचार आदि के माध्यम से सतगुरु माता का मानवता और प्यार का संदेश दिया। समागम में बहन कुमुद ने कहा कि जहां समाज और देश को नारी शक्ति ने एक मां के रूप में, एक बहन के रूप में, एक पत्नी के रूप मेंए एक बेटी के रूप में परिवारों को संभाला है और समाज के अनेक क्षेत्रों में नारी शक्ति ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वहीं राष्ट्र और देश की विभिन्न रूपों में भी विभिन्न नारियों ने सेवा की है ठीक इसी प्रकार निरंकारी मिशन भी मातृशक्ति को हमेशा आगे करता आया है। महिला संत समागम में भोपाल जोन की भोपाल, बैरागढ़, गांधीनगर,

सीहोर, कायमपुर, सुल्तानपुर, इटारसी, मंडीदीप, गांधीनगर, गुना, विजयपुर, गनियारी, ब्यावरा, नजीराबाद सहित सभी ब्रांचों से आई हुई बहनों ने भक्ति गीतों व सारगर्भित आध्यात्मिक विचारों के माध्यम से सतगुरु माता जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। ब्रांच संयोजक महाराज सिंह ने जोनल इंचार्ज महात्मा अशोक जुनेजा, क्षेत्रीय संचालक महात्मा अखिलेश यादव, बैरागढ़ के संयोजक महात्मा महेश विधानी तथा बैरागढ़ के संचालक महात्मा अशोक नाथानी, सेवादल की यूनिट सहित सभी ब्रांचों के संयोजक, मुखी और उपस्थित साध संगत का आभार प्रकट किया।

सिंधी मेला समिति की कुकिंग प्रतियोगिता 10-11 अगस्त को

भोपाल के अलावा बाहर भी होगी प्रतियोगिता

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सिंधी मेला समिति द्वारा कुकिंग कॉम्पीटिशन का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन की जानकारी विधायक भगवानदास सबनानी के आवास पर एक सामाजिक बैठक में दी गई। बैठक में समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी ने बताया की वर्ष 2009 से लगातार कुकिंग कॉम्पीटिशन का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष यह 16 वां वर्ष है और इस वर्ष भी यह कॉम्पीटिशन पूरी तरह सिंधी व्यंजनों पर आधारित रहेगा। समिति के संरक्षक सबनानी ने बताया की इस प्रकार के विभिन्न आयोजन हम लगातार करवाते आ रहे हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य समाज की संस्कृति एवं संस्कार को न भूलना है और न भूलने देना है। सबनानी बताया की हम इस प्रकार के आयोजनों युवाओं को इस प्रकार के आयोजनों के जरिये अपनी संस्कृति से जोड़ने का कार्य करते आ रहे है। मीटिंग में समिति के महासचिव नरेश तलरेजा ने बताया की इस वर्ष कुकिंग कॉम्पीटिशन के लिये भोपाल में विभिन्न स्थानों पर सेंटर बनाये जा रहे हैं। कोटरा, टी टी नगर, संत

कंवरराम कॉलोनी, सिंधी कॉलोनी, बावड़िया कलां, पंचवटी कॉलोनी, विजय नगर,गांधीनगर संत हिरदाराम आदि। इन स्थानों के अलावा आयोजन भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग के विभिन्न स्थानों पर एक साथ होगा। आयोजन में भाग लेने वाले पार्टिसिपेंट्स को व्यंजन के स्वाद एवं स्टॉल की सजावट के आधार पर निर्णायक मंडल द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

मेट्रो एंकर

ऊंच पद पर पहुंची पूर्व छात्राएं समारोह की अतिथि रहीं

142 प्रतिभाशाली छात्राओं और पालकों का सम्मान

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल की सत्र 2023.24 की कक्षा पहली से नवीं, ग्यारहवीं एवं बोर्ड की दसवीं व बारहवीं परीक्षाओं में उत्कृष्ट अकादमिक प्रदर्शन करने वाली 142 छात्राओं को सम्मानित करने के लिए प्रतिभा प्रोत्साहन समारोह का आयोजन किया गया। संत हिरदाराम सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में सम्मानित की जाने वाली छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को सहर्ष आमंत्रित किया गया था। सोसाइटी द्वारा मेधावी छात्राओं को प्रशस्ति-पत्र, स्कूल बैग व लंच बॉक्स देकर पुरस्कृत किया तथा उनके अभिभावकों को सरोपा, श्रीफल व पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ भारती, माँ सरस्वती एवं संत हिरदारामजी के छायाचित्रों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तहसीलदार किरण धाकड़ तहसील काला पीपल, एवं डॉ आफ़रीन आलम, जेपी अस्पताल, भोपाल, विशिष्ट अतिथि डॉ बेनजीर आलम चिकित्सक हमीदिया अस्पताल, शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसायटी के उपाध्यक्ष हीरो ज्ञानचंदानी, सचिव घनश्याम बूलचंदानी, सह सचिव केएल रामनानी, अकादमिक डायरेक्टर गोपाल गिरधानी, प्रबंधन समिति के सदस्य मनोहर वासवानी, समस्त शिक्षक.शिक्षिकाएं छात्राएँ एवं आमंत्रित अभिभावक उपस्थित हुए।

अतिथियों का पुष्प गुच्छों द्वारा स्वागत किया गया। समिति के अध्यक्ष सिद्ध भाऊ ने अपने संदेश में छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएँ दीं। संस्था के उपाध्यक्ष हीरो ज्ञानचंदानी ने तहसीलदार किरण धाकड़ का उदाहरण देते हुए छात्राओं को प्रेरित किया कि वे भी अपने दृढ़ निश्चय, परिश्रम और लक्ष्य के प्रति समर्पण से अपने सपनों को साकार करें। प्राचार्या अमृता मोटवानी ने विचार व्यक्त किए।

विद्यालय कामयाबी की धुरी: मुख्य अतिथि किरण धाकड़ ने कहा कि उनके लक्ष्य को निर्धारित करने एवं व्यक्तित्व को निखारने में इस विद्यालय का विशेष योगदान रहा है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि अपना लक्ष्य निर्धारित करने व दृढ़तापूर्वक उसे प्राप्त करने की प्रेरणा दी। विशिष्ट अतिथि डॉ बेनजीर आलम ने कहा कि इस विद्यालय ने उन्हें आगे बढ़ने के अनेक अवसर प्रदान किए, अमूल्य सहयोग व प्रेरणा दी जिसके परिणामस्वरूप वे आज चिकित्सा के क्षेत्र में एक विशेष स्थान बना सकी हैं।

विद्यालय ने संस्कार दिए: डॉ आफरीन आलम ने कहा कि वे सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें इस विद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिला। यहाँ मिले हुए संस्कारों का प्रभाव आजीवन हमारी सोच और कार्यशैली में दिखाई देता है। इस अवसर पर विद्यालय के नृत्य एवं संगीत विभाग के दिशा निर्देश में लगभग 135 छात्राओं ने समूह गाएन नृत्य एवं आर्केस्ट्रा की सुर ताल से सजी शानदार प्रस्तुतियाँ दीं।

आजीवन निरोगी रहने के तीन मंत्र उपवास, पेट की सफाई और नींद

हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम योगा एवं नेचर क्योर हास्पिटल में दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर में अनुभव सत्र का आयोजन किया गया। शिविर के विभिन्न स्थानों से साधक-साधिकाओं ने हिस्सा लिया। सत्र में डॉ. रमेश टेवानी ने बताया कि मनुष्य जीवन बहुत दुर्लभ है, इस जीवन का अंतिम लक्ष्य यह है कि हम प्रभु के चरणों में समा जाए, ये लक्ष्य पूरा तब होता है जब हम तन व मन से स्वस्थ हो, तन से स्वस्थ होने के लिए

प्राकृतिक चिकित्सा, मन से स्वस्थ होने के लिए ध्यान, प्राणायाम और योग व जीवन को सार्थक करने के लिए समाज सेवा। इस शिविर का उददेश्य पूरे भारत को दवा रहित व दर्द रहित बनाना है। आजीवन निरोगी रहने के लिए उपवास, पेट की सफाई व नींद ये तीन चीजें जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है, उपवास रसाहार व फलाहार के माध्यम से करते हैं। अनुभव सत्र में शिविरार्थियों ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहाकि उन्हें दस दिनों में ही बी.पी., डायबीटिज, घुटनों के दर्द, हाथों पैरों के दर्द, अर्थराइटिस, साइनस, सरवाइकल स्पोंडिलाइटिस में काफी आराम हुआ। कार्यक्रम के अंत में डॉ लता टेवानी शिविर में आए हुए समस्त साधकगणों का सहृदय आभार व्यक्त किया।

लोकसभा चुनाव में 20 फीसद बूथ और विधानसभा में 67 सीटों पर हारी है भाजपा

अब हारी सीटें और बूथों पर भाजपा की नजर

भोपाल, दोपहर मेट्रो। लोकसभा और विधानसभा में बड़ी जीत हासिल करने वाली भाजपा मप्र में इन दिनों बड़ी चुनौती का सामना कर रही है। चुनौती दोनों चुनाव में मिली बड़ी जीत को बरकरार रखने की है जिसकी पहली अग्निपरीक्षा अमरवाड़ा विधानसभा में हो रहे उप चुनाव है जिसे भाजपा हर हाल में जीतना चाहती है, यहां का परिणाम ही बताएगा कि पार्टी जिस लाइन पर चल रही है वह सही है या उसमें कोई सुधार की जरुरत है इसलिए पार्टी ने यहां पूरी ताकत झोंक रखी है। इस सीट पर 10 जुलाई को वोट पड़ने हैं।

उधर कांग्रेस पहले ही बहुत कुछ खो चुकी है तब भी अमरवाड़ा उप चुनाव में जोर लगा रही है। यदि कांग्रेस को यहां सफलता मिलती है तो उसे बड़ी राहत कही जा सकती है। हालांकि भाजपा व कांग्रेस की किस्मत का फैसला करने वाले मतदाता अपना निर्णय वोटिंग के जरिए देंगे, लेकिन एक बात सबसे अहम यह है कि कांग्रेस से कहीं ज्यादा भाजपा की साख अमरवाड़ा में दांव पर लगी है। इसका असर भाजपा प्रदेश कार्य समिति की रविवार को रवींद्र भवन में हुई बैठक में भी दिखा। जिसमें भाजपा के कद्दावर नेताओं ने एक बात कामन कही कि जीत को बरकरार रखना चुनौती है, इसलिए लोकसभा चुनाव में जिन 20 फीसद बूथों और विधानसभा चुनाव में जिन 67 सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था, वहां जीत हासिल करनी है। यह क्रम जारी रहा तब तो सम्मान बरकरार रहेगा, अन्यथा सीटें कम हुई तो ठीक नहीं होगा।

असल में भाजपा को लोकसभा में 29 में से 29 सीटें मिली, जो कि एक इतिहास बन गया तो विधानसभा में भी 167 सीटें मिली, वह भी तब जब पार्टी को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे। ये रिकार्ड पार्टी को बाहर से तो जश्न मनाने का मौका दे रहे हैं लेकिन अंदर खाने यह भी स्थापित हो गई कि इस रिकार्ड से कम कुछ भी नहीं चाहिए, जो परिणाम आए वे रिकार्ड में प्लस करने वाले ही हों, माइनस बर्दाश्त नहीं करेंगे।

प्रदेश कार्य समिति की बैठक में बोले कद्दावर नेता

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री– 'शिवाय नमः विष्णवे नमः' इनमें सबका सार है। मैं हमेशा इन शब्दों को बोलता हूं। संगठन समझकर सरकार चलाते रहो। यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारे मंडल इकाई तक प्रमुख कार्यकर्ताओं को बुलाया गया। बीमारू राज्य से विकसित और अब स्वर्णिम राज्य की ओर प्रदेश बढ़ेगा। पीएमश्री योजना का जिक्र कर सीएम ने कहा कि हमने एयरटैक्सी की शुरुआत की, जिसकी सिंगरौली में दो महीने की वेटिंग है। यानी इतनी जरूरत थी उस क्षेत्र को। इसका मतलब है कि प्रदेश में कितनी संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो चार जातियां गरीब, युवा, किसान और महिलाएं बताई है, मप्र सरकार इन्हीं को ध्यान में रखकर काम कर रही है।

विष्णुदत्त शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष– पहले विधानसभा और फिर लोकसभा चुनाव में मिली जीत सामूहिकता के साथ पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता द्वारा किए गए परिश्रम का नतीजा है।

भूपेंद्र यादव, केंद्रीय मंत्री– हमने 2023 और 2024 के चुनावों में प्रचंड जीत हासिल की है, लेकिन हमें प्रधानमंत्री के संकल्प के अनुरूप विकसित भारत और विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प की पूर्ति तक रुकना नहीं हैं।

शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री– यदि राहुल 99 में खुश हैं तो जीवनभर खुश रहें, लेकिन हिन्दू को हिंसक बताने वालों को सबक सिखाना जरूरी है। लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस और इंडी गठबंधन गलत नैरेटिव सेट करने का प्रयास कर रहे हैं कि उन्होंने चुनाव में जीत हासिल की है। भाजपा कार्यकर्ताओं को कांग्रेस के इस झूठ को बेनकाब करना है। यह भी कहा कि इंडी गठबंधन इस चुनाव में पूरी तरह से हारा है, लेकिन कांग्रेस हार के बाद भी जश्न मना रही है।

अजय जामवाल, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री– कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि लोकसभा चुनाव में जीत का जो इतिहास रचा है, उसे आगे भी बनाए रखें।

डॉ. महेन्द्र सिंह, भाजपा प्रदेश प्रभारी– किसी भी राजनीतिक दल का एक आदर्श संगठन कैसा होना चाहिए, वह मप्र के भाजपा संगठन से देखा जा सकता है।

सतीश उपाध्याय, प्रदेश सह प्रभारी– लोकसभा चुनाव के दौरान कठोर परिश्रम किया और 100 प्रतिशत परिणाम दिया है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय मंत्री– लोकतंत्र में मिली जीत सत्य–अहंकार की लड़ाई थी। अहंकार वाली कांग्रेस का इसलिए प्रदेश में खाता नहीं खुल पाया। विधानसभा और लोकसभा चुनाव में मिली जीत जनता की शक्ति और पार्टी के जांबाज कार्यकर्ताओं की मेहनत की जीत है।

डॉ. वीरेंद्र कुमार, केंद्रीय मंत्री– कांग्रेस ने बीते चुनाव में जमकर दुष्प्रचार किया, लेकिन उसका दुष्प्रचार पराजित हुआ और भाजपा कार्यकर्ता जनता का भरोसा जीतने में सफल रहे।

हितानंद, प्रदेश संगठन महामंत्री– आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि कार्यकर्ता जिन बूथों पर हमें सफलता नहीं मिली है, उन्हें जीतने की कार्ययोजना बनाकर जुट जाएं।

भाजपा की अगली रणनीति

9 से 12 जुलाई तक प्रदेश के सभी जिलों की कार्यसमिति की बैठकें होंगी। जिन जिलों में 9 जुलाई को बैठक हो जाएगी, वहां 10 से 15 जुलाई के मध्य मंडल स्तर की कार्यसमिति की बैठकें होंगी। 13 से 20 जुलाई के मध्य शक्ति केंद्रों का सम्मेलन होग। इनमें पोलिंग एजेंटों को सम्मानित किया जाएगा।

28 जुलाई को प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम होना है, जिसे सभी बूथों पर सुना जाएगा।

21 जुलाई को गुरूपूर्णिमा का कार्यक्रम भी पार्टी द्वारा बूथ स्तर तक मनाया जाएगा। 26 को करगिल विजय दिवस, 14 अगस्त को भारत विभाजन विभीषिका दिवस और 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम भी पार्टी कार्यकर्ता कार्यालयों में मनाएंगे।

कार्यकर्ता पौधे लगाए और लगाए हुए पौधे का हर महीने जन्मदिन मनाएं और उसकी फोटो सोशल मीडिया में शेयर करें।

मेडिकल कॉलेज के डीन ने बताई जरूरतें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उप-मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से मध्यप्रदेश के चिकित्सा महाविद्यालयों के अधिष्ठाताओ ने निवास कार्यालय में सौजन्य भेंट की। अधिष्ठाताओं ने पे-प्रोटेक्शन, लीव-प्रोटेक्शन, सर्विस-प्रोटेक्शन और नॉन-प्रैक्टिसिंग एलाउंस के बारे में शुक्ल द्वारा किये जा रहे प्रयासों के लिये आभार व्यक्त किया और इन्हें शीघ्र लागू करने के लिये निवेदन किया। उप-मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिये कि चिकित्सा महाविद्यालयों में छात्रों की शिक्षा बेहतर करने के लिये प्रयास करें। समस्त अधिष्ठाता अस्पताल के अधीक्षकों के साथ समन्वय कर मरीजों को सहज और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सकीय सेवाओं के प्रदाय के लिए व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करें। अधिष्ठाताओं ने महाविद्यालय के संचालन, अधोसंरचना विकास एवं उन्नयन, प्रशासनिक व्यवस्था, वित्तीय आवश्यकता और मेंटेनेंस सहित अन्य महत्वपूर्ण आवश्यकताओं के संबंध में उप-मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इनमें मेडिकल कॉलेज में प्रशासकीय अधिकारी (वित्त) की नियुक्ति, महाविद्यालयों के उन्नयन, हॉस्टल और अस्पतालों के सिविल और इलेक्ट्रिक उपकरणों के मेंटेनेंस, लेक्चर हॉल और प्रदर्शक रूम को स्मार्ट क्लास में विकसित करने के लिये बजट उपलब्ध कराने का अधिष्ठाताओं ने अनुरोध किया। राष्ट्रीय और अंतरर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में सहभागिता के लिये नीति बनाने का अनुरोध किया ताकि चिकित्सा शिक्षक और छात्र अपनी रिसर्च को विश्वस्तरीय प्लेटफार्म पर प्रस्तुत कर सकें। बैठक में डॉ प्रमेंद्र सिंह ठाकुर अधिष्ठाता बीएमसी सागर, डॉ कविता सिंह अधिष्ठाता जीएमसी भोपाल, डॉ धाकड अधिष्ठाता ग्वालियर,डॉ सुनील अग्रवाल अधिष्ठाता रीवा, डॉ परमहंस अधिष्ठाता शिवपुरी, डॉ मनीष निगम अधिष्ठाता विदिशा और डॉ मरावी अधिष्ठाता दतिया शामिल हुए।

रिटायरमेंट के पहले पीसीसीएफ दिलीप कुमार की मुश्किलें बढ़ी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रिटायरमेंट के पहले प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) डॉ. दिलीप कुमार की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। असल में उन पर सरकारी खजाने से पुस्तक छपाई के बाद अब अपने साथी कर्मचारी से अभद्रता करने के आरोप लगे हैं। शिकायत नीचे स्तर पर भी नहीं हुई, बल्कि सीधे राष्ट्रपति भवन से वन भवन पहुंची है जिसकी जांच शुरू हो चुकी है। रिपोर्ट एक–दो दिन में आनी है। जबकि पहले से उनके द्वारा छपाई तीन पुस्तकों का बरखेड़ा पठानी नर्सरी के खजाने से भुगतान कराने का मामला चल रहा है। डॉ. कुमार अभी संरक्षण शाखा का जिम्मा संभाल रहे हैं, वह 30 जुलाई को रिटायर्ड होने वाले हैं। इसके पहले शिकायतों ने उन्हें परेशान कर रखा है।

सेन की स्थाई ताजपोशी तय: इधर पीसीसीएफ शुभरंजन सेन को वाइल्डलाइफ शाखा की स्थाई जिम्मेदारी मिलना तय माना जा रहा है। अभी उन्हें प्रभार दिया गया है। वह पूर्व में इस विंग के एपीसीसीएफ रह चुके हैं। सेन और अंबाड़े में से किसी एक को उक्त पद पर स्थाई जिम्मेदारी देने की बात चल रही थी। जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों का एक दल सेन के और दूसरा अंबाड़े के पक्ष में खड़ा था लेकिन पिछले हफ्ते प्रभारी चीफ वाइल्डलाइफ वार्डन सेन को बना दिया गया।

सहकारी समिति प्रबंधक अपना काम ईमानदारी से करें: सारंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सहकारिता एवं खेलकूद युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने मध्यप्रदेश के 38 जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों में आईबीपीएस के माध्यम से चयनित समिति प्रबंधको को संबोधित करते हुए कहा कि जो भी दायित्व उन्हें मिला है, उसे पूरी ईमानदारी से निभायें। कोई भी काम छोटा नहीं होता। सफल इंसान वह है जो प्रतिदिन नए ढंग से अपने काम को करते है। आज आप यहां से यह संकल्प लेकर जाएं कि आज के प्रशिक्षण कार्यक्रम में आपको जो चार महत्वपूर्ण बिंदु ऋण वितरण, वसूली, उपार्जन एवं नवाचार संबंधी जो महत्वपूर्ण मार्गदर्शन मिला है, उसका पूरा अनुसरण करेंगे। आप अपनी समिति में सेवा भाव से अपने वरिष्ठ अधिकारियों एवं कनिष्ठ अधिकारियों तथा समिति के सभी सदस्यों के साथ बेहतर तालमेल रखकर अपने कर्तव्य का निष्पादन भी करेंगे। मंत्री सारंग अपेक्स बैंक एवं मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ संयुक्त तत्वाधान में भोपाल के न्यू मार्केट स्थित समन्वय भवन में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सारंग ने समिति प्रबंधकों से संवाद भी किया। मंत्री सारंग ने युवा साथियों से आह्वान किया कि प्रधानमंत्री के सहकार से समृद्धि के मंत्र को साकार करने की दिशा में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के सपने मध्यप्रदेश में आप सभी के माध्यम से साकार हों। मंत्री सारंग ने कहा कि आप बेहतर ढंग से अपनी सेवाएं समितियां को उपलब्ध कराएंगे तो समितियॉ निश्चित रूप से प्रगति पथ पर अग्रसर होंगी और आर्थिक रूप से सुदृढ़ भी बनेंगी। हम समितियां को 'ए' 'बी' 'सी' और 'डी' चार भागों में बाटेंगे। उनमें कार्य करने वाले प्रबंधकों की कार्य क्षमता के आधार पर यदि समितियां प्रगति करती हैं तो हम उनके आर्थिक सुदढीकरण की दिशा में भी शीघ्र विचार करेंगे।

छात्रों की पहली पसंद सरकारी कॉलेज, पिछले दो साल में बढ़ी संख्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद कॉलेज या फिर विश्वविद्यालयों मे दाखिले की प्रक्रिया शुरू होती है। राजधानी समेत प्रदेश के अन्य जिलों में अब भी सरकारी कालेजों और संस्थानों के प्रति छात्रों में विश्वसनीयता कायम है। जबकि प्राइवेट यूनिवर्सिटी और कालेज शैक्षणिक सत्र शुरू होते ही अपने यहां दाखिले के लिए छात्रों को कई तरह के आकर्षण दिखाते हैं। पत्रिका के सर्वेक्षण में पता चला है कि बारहवीं की परीक्षा पास करने के बाद करीब 60 प्रतिशत विद्यार्थी ऐसे हैं जिनकी प्राथमिकता सरकारी कॉलेज हैं। सब्जेक्ट की बात करें तो साइंस, कॉमर्स की बजाय स्किल डेवलपमेंट को चालीस प्रतिशत छात्रों ने चुना है।

अधिक फीस भी कारण: जानकारी के अनुसार सर्वेक्षण में विद्यार्थियों के दो वर्ग सामने आए। बीस प्रतिशत विद्यार्थी ऐसे मिले जो महंगी फीस देकर हायर इंस्टीट्यूट की तैयारी कर रहे हैं। अस्सी फीसदी 12वीं के बाद जॉब वाले कोर्स लेना चाहते हैं। राजधानी में 9 सरकारी कॉलेज हैं तो वहीं 50 से ज्यादा निजी हैं।

फीस कम, शिक्षक योग्य: दो माह पहले 12वीं परीक्षा के नतीजे जारी हुए। पत्रिका के सर्वे में सामने आया कि 60 प्रतिशत विद्यार्थी सरकारी यूनिवर्सिटी और कॉलेज में जाना पसंद कर रहे हैं। इसके पीछे युवाओं ने बताया कि सबसे पहला कारण यहां फीस कम है वहीं निजी के मुकाबले इनमें बेहतर शिक्षक हैं।

मेट्रो एंकर मुख्यमंत्री सहित जन-प्रतिनिधियों ने बीएसएफ रेंज में किया पौधरोपण

भारतीय समाज सदैव से रहा है प्रकृति पूजक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री के संकल्प 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बीएसएफ रेंज क्षेत्र में वृह्द पौध-रोपण कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए माताजी की स्मृति में पौध-रोपण किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने अपनी माताजी की स्मृति में बरगद का पौधा लगाया। केन्द्रीय मंत्री यादव ने माताजी, प्रदेश के नगरीय निकाय एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने माता की स्मृति में आम का वृक्ष लगाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा आदिकाल से इंदौर और उज्जैन का पर्यावरण के महत्व में विशेष संबंध रहा है। मां क्षिप्रा सहित 7 नदियों के उद्गम का स्थल इन्दौर है। देश एवं दुनिया में इंदौर की विशेष पहचान है। क्लीन सिटी के साथ अब ग्रीन सिटी में भी इंदौर अवश्य नम्बर वन बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में वृहद पौध-रोपण के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री के आह्वान पर देश में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से पौध-रोपण किया जा रहा है। उन्होंने कहा केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री के प्रयास से मध्यप्रदेश को चीते मिले, जो प्रदेश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा भारतीय समाज सदैव से प्रकृति पूजक रहा है। भारत की वैदिक परंपराओं में कहा गया है कि 10 कुओं के समान एक सरोवर, 10 सरोवर के समान एक तालाब, 10 तालाब के समान एक पुत्र और 10 पुत्रों के समान एक वृक्ष होता है। ऐसी हमारी वैदिक मान्यता होकर वृक्ष की महत्ता हमारी परम्परा में है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर क्लीन सिटी के साथ ग्रीन सिटी बनेगा, इसी संकल्प के साथ पूरा इंदौर इस अभियान से जुड़ा है। केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा पूरे देश में 140 करोड़ पौधे लगाने का महा अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा इस वर्ष गर्मी का प्रचंड रूप 45 से 50 डिग्री तापमान के रूप में देखने को मिला। केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि पूरी दुनिया में विकास और परियोजनाओं को पूरा करने के लिए मनुष्य ने कांक्रिट के शहर तो बसा दिए लेकिन धरती की हरियाली को नष्ट कर दिया।

मनुष्य कितनी भी तरक्की कर ले लेकिन भोजन, पानी, दवाओं का अंतिम तत्व सहित कई आवश्यक चीज प्रकृति उपहार में देती है लेकिन हम प्रकृति को इसके बदले में क्या लौटाते है। एक मां ने हमें जन्म दिया तथा एक धरती मां हमें जीवन जीने के साधन प्रदान करती है। जीवन देने वाली 'मां' को नमन करने और प्रकृति मां के प्रति सम्मान के प्रति हरी भरी धरती देने के संकल्प को पूरा करना हमारा कर्तव्य है। धरती केवल इंसान के लिए नहीं समस्त जीव मात्र के लिए है, इसलिए देश में प्रत्येक देशवासी से पौध-रोपण का आह्वान किया गया है। वृक्षारोपण की पहल में मप्र का प्रयास सराहनीय है। इंदौरवासियों का क्लीन इंदौर के साथ ग्रीन इंदौर बनाने का अभियान प्रशंसनीय है। नगरीय निकाय एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर के ग्रीन कवरेज को बढ़ाया जाएगा। इसके लिए 51 लाख पौधों का रोपण कर इनके संरक्षण के लिए भी विशेष प्रयास किये जाएंगे। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं संस्थाओं द्वारा पौध-रोपण करते हुए उनके संरक्षण की जिम्मेदारी ली जा रही है। इंदौर में जनभागीदारी से अभियान को प्रभावी तरीके से क्रियान्वित किया जा रहा है। इन्दौर को ग्रीन कवरेज में नंबर-1 बनाएंगे।

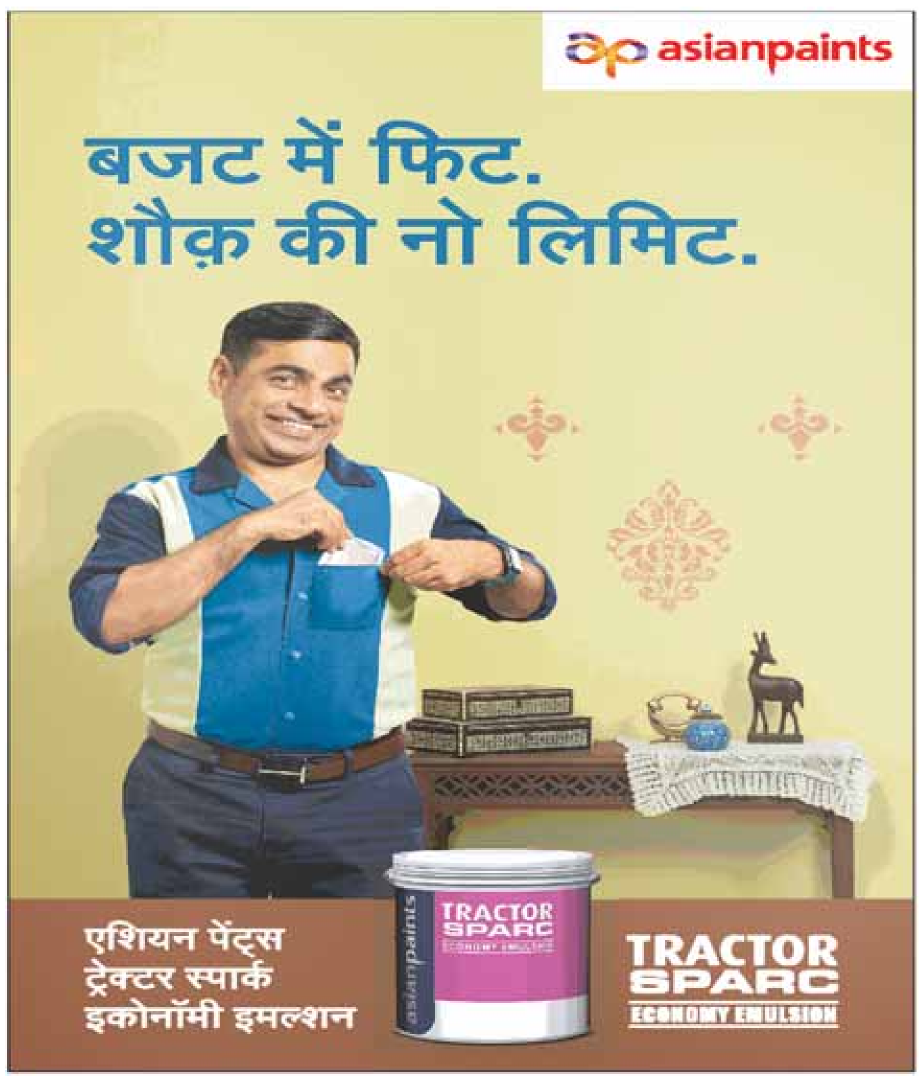

संपादकीय

मतदाताओं का बदल रहा है मिजाज

भारत और ब्रिटेन दो ऐसे देश हैं जिनका संबंध लंबा है और इसीलिये जब भी कोई उथलपुथल होती है तो इसे दोनों मुल्कों में गौर से देखा जाता है। हाल में जब चौदह वर्षों बाद कंजर्वेटिव पार्टी को पराजित कर लेबर पार्टी सत्ता की कमान थाम रही है तो भी इसकी चर्चा भी है और भारत सरकार की नजर भी। दरअसल बीते कुछ समय से भारतीय मूल के ऋषि सुनक के ब्रिटेन के पीएम पद पर होने से दोनों देशों के लोगों के बीच नया जुडाव पैदा हुआ था। वैसे भी भारत के बहुत सारे लोग दशकों से ब्रिटेन में बसे हैं। बहरहाल अब जबकि लेबर पार्टी को ऐतिहासिक जीत मिली है तथा उसने चार सौ से ऊपर सीटें जीत ली हैं तथा किएर स्टार्मर ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बने हैं। तो बहुत सी बातें बदलेंगी। इस सत्ता परिवर्तन के कयास बहुत पहले से लगाए जा रहे थे। चुनाव पश्चात सर्वेक्षणों में भी लेबर पार्टी को चार सौ से ऊपर सीटें मिलने के कयास लगाए गए थे। कंजर्वेटिव पार्टी से लोगों का मोहभंग हो चुका था। खासकर प्रधानमंत्री ऋषि सुनक खासे अलोकप्रिय हो चुके थे। इस तरह वहां सत्ता-विरोधी लहर थी, जिसमें कंजर्वेटिव पार्टी ध्वस्त गई। ब्रिटेन में काफी समय से महंगाई उच्च स्तर पर है, लोगों पर करों का बोझ काफी बढ़ गया है, सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाएं चरमरा गई हैं और देश की अर्थव्यवस्था एक तरह से ठप प? गई है। ऋषि सुनक ने अर्थव्यवस्था संभालने का आश्वासन दिया था, इसके लिए उन्होंने परिश्रम भी खूब किया, मगर कामयाब नहीं हो सके। कहा जा सकता है कि इसके लिये उन्हें समय भी कम मिला। मगर सुनक परिवार की लाइफस्टाइल ने परेशानी से जूझते लोगों को और ज्यादा परेशान हीं किया। सुनक व उनकी पत्नी ब्रिटेनबेहद अमीरों में शुमार हैं। यहां तक कि इनकी संपत्ति ब्रिटेन के प्रिंस चार्ल्स से ज्यादा बताई जाती है। सुनक पीएम होते हुए भी प्राइवेट जेट से चलना पसंद करते थे जो लोगों को अखरता था। उनकी पत्नी को ब्रिटेन का बिल गेट्स कहा जाता है। दूसरी तरफ ब्रिटेन में लोगों का रहन-सहन पर खर्च बढ़ता गया। दरअसल, कंजर्वेटिव पार्टी के प्रति वहां के लोगों में रोष इस बात को लेकर भी था कि 'ब्रेक्जिट' करके ब्रिटेन यूरोपीय संघ से अलग हो गया, जिससे वहां की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ा। इसके अलावा गैरकानूनी तरीके से हो रहे प्रवासन पर सुनक सरकार काबू नहीं पा सकी। लिहाजा वहां की सार्वजनिक सुविधाओं पर बोझ बढ़ा है। लेबर पार्टी ने आवास नीति बनाने, आव्रजन नीति को कड़ा करने और यूरोपीय संघ से रिश्ते मजबूत बनाने का वादा किया था। इससे वहां के लोगों में भरोसा पैदा हुआ। हालांकि चुनावी वादों को जमीन पर उतारना आसान नहीं होता। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को संभालना स्टार्मर के लिए भी बड़ी चुनौती होगी। खाली हो चुके खजाने के साथ करों का बोझ कम करना और सार्वजनिक सुविधाओं को बेहतर बनाना भी आसान नहीं होगा। ऐसे में, अगर आव्रजन नीतियों को कड़ा किया जाता है, तो अलग मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। अब देखने की बात यही है कि यूरोपीय संघ के साथ मिल कर वे ब्रिटेन की जर्जर हो चुकी अर्थव्यवस्था और लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने में कहां तक कामयाब हो पाते हैं। ब्रिटेन के लोगों ने अपनी बेहतरी के लिये लेबर पार्टी पर भरोसा करके नया रास्ता चुना है और नई सरकार को भी वादे के मुताबिक नये रास्ते पर ब्रिटेन को लाना होगा।

लोकसभा का पहला सत्र और भविष्य के संकेत

कैसे चलेगी कार्यवाही? क्या हंगामे की भेंट चढ़ जाएंगे अगले सत्र भी?

■ जयसिंह रावत

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पास कराने के साथ ही संसद की कार्यवाही 3 जुलाई को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई। आम चुनाव के बाद 18वीं लोकसभा की कार्यवाही 24 जून को शुरू हुई थी जो कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उत्तर के बाद 2 जुलाई को तथा राज्यसभा का 264 वां सत्र प्रधानमंत्री के उत्तर के बाद 3 जुलाई को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। लेकिन पक्ष और विपक्ष के बीच संसद के इस सत्र में और खासकर लोकसभा में जिस तरह का संग्राम हुआ वह भविष्य के संसदीय लोकतंत्र के लिए एक गंभीर खतरे की घंटी बजा गया।दरअसल, लोकसभा में एनडीए और इंडिया नाम के दो गठबंधन पक्ष और विपक्ष के जैसे आचरण करने के बजाय दो घोर शत्रुओं का जैसा आचरण कर रहे थे और पीठासीन अधिकारी पंच परमेश्वर की भूमिका नहीं निभा रहे थे। जिम्मेदार नेता संसदीय आचरण और परम्पराओं को भूलकर राष्ट्रहित की बातें कम और एक दूसरे के खिलाफ व्यक्तिगत जहर ज्यादा उगल रहे थे, इसलिए कहा जा सकता है कि दोनों हाथों से ताली बजने के कारण संसद में यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति पैदा हुई है जो आने वाले सत्रों के लिए बहुत बुरा संकेत है।संसद में टकराव स्पीकर के चुनाव को लेकर ही शुरू हो गया था। सत्ता पक्ष विपक्ष को यह संदेश देना चाहता था कि तुम चाहे हमारा आधार और लोकप्रियता घटने का जितना भी प्रचार करो और बहुमत न मिलने का चाहे जितना भी ढोल क्यों न पीट लो मगर सरकार हमारी ही बन गई और तुम सब मिलकर भी एक अकेली भाजपा के बराबर नहीं पहुंच सके। सत्ता पक्ष पहले ही मंत्रियों को पुराने विभाग देकर संदेश दे चुका था कि सबकुछ वही है और सरकार का इकबाल उतना ही बुलंद है, इसलिए स्पीकर भी वही रहेंगे जो कि मोदी-2 में थे। लेकिन विपक्ष सत्रहवीं लोकसभा के कटु अनुभव नहीं भूला था।

पिछली बार विपक्ष के जो 140 सांसद संसद से निलंबित किए गए उनमें 100 सांसद लोकसभा के थे। यही नहीं विपक्ष को स्पीकर ओम बिड़ला से एक नहीं बल्कि अनेक शिकायतें थीं इसलिए विपक्ष का ओम बिड़ला के नाम से बिदकना स्वाभाविक ही था। लेकिन टकराव की असली वजह इस बार विपक्ष के और ताकतवर बन कर उभरने की तथा सत्ता पक्ष और खासकर भाजपा के कमजोर होने की थी, इसलिए विपक्ष भी सत्ता पक्ष को अपनी ताकत का अहसास दिलाने के लिए डिप्टी स्पीकर की मांग पर अड़ा रहा। बहरहाल लोकसभा में महज ध्वनिमत से ओम बिड़ला स्पीकर चुन लिए गए। चूंकि विपक्षी इंडिया खेमे ने आम चुनावों के दौरान संविधान को खतरे का मुद्दा बनाया था और उसे कुछ हद तक इसका लाभ भी मिला था, इसलिये विपक्षी सदस्यों ने उस मुद्दे को जिन्दा रखने के लिए संविधान की प्रतियां हाथों में लेकर लोकसभा सदस्यता की शपथ ली। जो कि सत्ता पक्ष को नागवांर गुजरी। इसलिये उसने भी राष्टपति और पीठासीन अधिकारियों के मार्फत 1975 में लगी इमरजेंसी की याद विपक्ष को दिला दी। इसने आग में घी डालने का काम किया। सर्वविदित् है कि राष्टपति का भाषण कैबिनेट द्वारा तैयार होता है और उसी की मंजूरी के बाद राष्ट्रपति द्वारा पड़ा जाता है। लेकिन स्पीकर या राज्यसभा के सभापति की ऐसी कोई मजबूरी नहीं होती। लोकसभा में स्पीकर का एक पार्टी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का नाम लेकर इमरजेंसी का निन्दा प्रस्ताव पड़ना विपक्ष और खास कर विपक्ष के सबसे बड़े दल को नागवार गुजरना स्वाभाविक ही था। बात यहीं समाप्त नहीं हुई। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी का भाषण प्रधानमंत्री को उकसाने के लिए काफी था और उसके जवाब में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जिस तरह राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को कांग्रेस पार्टी और खासकर राहुल गांधी पर केन्द्रित किया उसका जवाब उन्हें तत्काल ही सदन में भारी हूटिंग से मिल गया।

पिछली बार विपक्ष बहुत कमजोर और बंटा हुआ था इसलिए अक्सर सत्ता पक्ष के भारी बहुमत की हूटिंग से विपक्ष के नेताओं की आवाजें दब जाया करतीं थीं। लेकिन इस बार प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान विपक्ष ने अपनी आवाज के बड़े हुए वॉल्यूम का अहसास जानबूझ कर प्रधानमंत्री को दिलाया। हालांकि इसका जवाब भी विपक्ष को आने वाले सत्रों में अवश्य मिलेगा। संसद का महौल बिगाड़ने के लिए राजनीतिक दलों के साथ ही पीठासीन अधिकारियों का पक्षपातपूर्ण रवैया भी जिम्मेदार रहा है। दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों ने पहले ही सत्र में संकेत दे दिया कि वे न तो बदलने वाले हैं और लोकतंत्र से ज्यादा उनकी निष्ठा पद का सुख प्रदान कराने वालों के प्रति है।बीते सत्र के दौरान न तो विपक्ष ने सदन के नेता प्रधानमंत्री का लिहाज किया और ना ही नेता विपक्ष के पद का लिहाज किया गया। लोकसभा में नेता विपक्ष के भाषण के रिकॉर्ड में जिस तरह काटपीट हुई वह नेता प्रतिपक्ष की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन ही था।

विधानसभाओं में हो चुका है खून-खराबा – संसद में भारी हंगामें और पक्ष-विपक्ष की बीच बहुत तीखी तकरार के कई मौके आ चुके हैं। लेकिन ऐसी नौबत शायद ही पहले कभी आई हो। राज्य विधानसभाओं में पक्ष विपक्ष की दुश्मनी के चलते अनेक बार हिंसक घटनाएं हो चुकी हैं। 1 जनवरी 1988 को तमिलनाडु विधानसभा में जानकी रामचंद्रन ने विश्वास मत के लिए विशेष सत्र बुलाया था। अपने पति एमजीआर के निधन के बाद वह मुख्यमंत्री बनीं थीं। लेकिन ज्यादातर विधायक जयललिता के साथ थे। इस दौरान सियासी गठजोड़ के बीच विधानसभा की बैठक में माइक और जूते चले। सदन में लाठीचार्ज भी करना पड़ा। इसी तरह 25 मार्च 1989 तमिलनाडु विधानसभा में ही बजट पेश करने के दौरान दंगे जैसे हालात पैदा हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस दौरान जयललिता की साड़ी फाड़ने की कोशिश की गई। उत्तर प्रदेश विधानसभा में 22 अक्टूबर 1997 में दंगा भड़क गया, जिसमें विधायकों ने एक-दूसरे पर फेंकने के लिए माइक्रोफोन, कुर्सियां और अन्य सामान उठा लिया। सुरक्षाकर्मियों ने अध्यक्ष की ढाल के रूप में डेस्क के ऊपरी हिस्से को उखाड़ दिया। विधायकों के बीच हुई हिंसा इस कदर बड़ी जिसमें स्पीकर समेत कई विधायक घायल भी हुए। महाराष्ट विधानसभा में 10 नवंबर 2009 को सपा के विधायक अबु आजमी ने हिंदी में शपथ ली तो एमएनएस के चार विधायक हिंसक हो गए। इसके बाद चार साल तक इन विधायकों को सस्पेंड किया गया। केरल विधानसभा में 13 मार्च 2015 केरल विधानसभा में बजट पेश करने के दौरान विपक्षी दलों ने हंगामा करते हुए हाथपाई शुरु कर दी। इस दौरान दो विधायक घायल हो गए। अगर संसद में दोनों पक्षों का नजरिया नहीं बदला तो राज्य विधान सभाआओं में हुई दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति की नौबत संसद में भी आ सकती है।

संसदीय आचरण का पालन दोनों पक्षों लिए जरूरी– संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चले विवादास्पद विषयों पर भी बहस मर्यादा का उल्लंघन न करे इसलिये संसद द्वारा ही सदस्यों के लिये आचार संहिता तैयार की जाती है। इसीलिये कहा जाता है कि संसद किसी की इच्छा या राजनीतिक सहूलियत से नहीं बल्कि नियमों से चलती है। कुछ स्थापित संसदीय रीति-रिवाज, परंपराएं, शिष्टाचार और नियम हैं जिनका पालन सदस्यों को सदन के अंदर और बाहर दोनों जगह करना आवश्यक होता है। ये न केवल संसद में प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियमों और पीठासीन अधिकारियों के निर्णयों और टिप्पणियों पर आधारित होते हैं बल्कि संसद की पिछली प्रथाओं, परंपराओं और उदाहरणों पर भी आधारित होते हैं, जिन्हें सदस्य संसद में अपने व्यक्तिगत अनुभव से जानते हैं।

ये सभी वही हैं, जिन्हें तकनीकी रूप से संसदीय शिष्टाचार के रूप में जाना जाता है। सदन को अपने सदस्यों को सदन में या बाहर उनके कदाचार के लिए दंडित करने का अधिकार है। सदस्यों द्वारा किए गए कदाचार या अवमानना के मामलों में, सदन चेतावनी, फटकार, सदन से निकासी, सदन की सेवा से निलंबन, कारावास और सदन से निष्कासन के रूप में दंड दे सकता है।

– साभार

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के मद्देनजर उत्पन्न चुनौतियां

■ जी. पार्थसारथी

जहां भारत में आम चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गठबंधन सरकार स्थापित हुई है, वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव अभियान ने समूची राजनीतिक प्रक्रिया और कार्यविधि में भ्रम और दुविधा पैदा की है। राष्ट्रपति बाइडेन और उनके प्रतिद्वंद्वी ट्रंप के बीच रंजिश पुरानी है, पिछली बार बाइडेन ने ट्रंप को मात जो दी थी। दुनिया ने देखा कि किस तरह बाइडेन अपने गिरते स्वास्थ्य के कारण कतई फिट नहीं हैं, टेलीविजन पर प्रतिद्वंद्वी ट्रंप के साथ दिखाई गई रिवायती राष्ट्रव्यापी बहस के दौरान भी उनके दवा लेने पर सबने गौर किया। अपने राष्टपति की सेहत को लेकर अमेरिकी चिंतित हैं। आगामी राष्टपति चुनाव में अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय की तटस्थता पर भी सवाल उठ रहे हैं।

मौजूदा संकेतों के अनुसार हाल-फिलहाल बाइडेन की जीत की संभावना कम है। जो भी है, बाइडेन के विदेशमंत्री जोसेफ ब्लिंकन और एनएसए जेक सुलिवन के अपने समकक्षों एस. जयशंकर और अजीत डोभाल के साथ संबंध अच्छे हैं। भारत-अमेरिका के बीच सुचारु कामकाज में, इनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। भारत के नवनियुक्त विदेश सचिव विक्रम मिसरी अमेरिका और चीन में भारत की ओर से काम कर चुके हैं, लिहाजा दोनों से कौशलपूर्वक बरतने में वे पूरी तरह योग्य हैं। स्पष्ट है कि भारत की नीतियों का ध्यान मुख्य रूप से अपने पड़ोसी देश, खासकर पूरबी दिशा में मलक्का की खाड़ी के देशों से लेकर होरमुज़ की खाड़ी के तेल संपन्न अरब राष्ट्रों से रिश्ते मजबूत और शांतिप्रिय रखने पर रहेगा। सर्वविदित है कि ट्रंप का प्रधानमंत्री मोदी के साथ निजी राब्ता बहुत बढ़िया है, लेकिन बाइडेन के बारे में यह नहीं कहा जा सकता। जाहिर है भारत में मानवाधिकारों की चिंता को लेकर हालिया अमेरिकी बयानों के पीछे बाइडेन पूरी तरह जिम्मेवार थे। कोई हैरानी नहीं, प्रधानमंत्री मोदी रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मिलने मास्को जाएंगे, जो न केवल भारत के प्रति दोस्ताना रवैया रखते हैं बल्कि मददगार भी हैं।

बहरहाल, भारत-अमेरिका के बीच मतभेदों के बावजूद, हमारे रिश्ते वक्त के साथ मजबूत हुए हैं। ऐसे ही यूके के दोनों दलों, लेबर और कंजर्वेटिव के साथ मधुर बने हुए हैं। यूरोप के विषय में यही दृश्य है, फ्रांस और जर्मनी, दोनों भारत से संबंध सुधारने के इच्छुक हैं। फ्रांस भारत को अनेकानेक किस्म के हथियार देने में एक भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता रहा है। जिसके अंतर्गत मिराज 2000 लेकर अग्रिम श्रेणी के राफेल लड़ाकू जहाज हमें मिले हैं। भारत ने 36 राफेल जेट पाने हैं, और 26 और खरीदने के वास्ते सौदे पर बातचीत जारी है। यह पनडुब्बियों के आयात के अलावा है। बहरहाल, ध्यान रखना होगा कि भारत अमेरिका के साथ अपने बढ़ते संबंधों के परिप्रेक्ष्य में, अन्य वैश्विक शक्ति केंद्रों के साथ संबंध किस किस्म के रख पाएगा। विश्वभर के देशों से साथ रिश्तों में, भारत की प्रतिक्रिया चीन की बढ़ती ताकत के संदर्भ में क्या होगी, यह भी ध्यान का अन्य बिंदु होगा। यह बात भारत के अड़ोस-पड़ोस यानी मल्लका की खाड़ी से लेकर होरमुज़ की खाड़ी के खित्ते पर अधिक लागू है। इस इलाके में चीन द्वारा अपनी शक्ति बढ़ाने का मंतव्य भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक हितों को प्रभावित करने के इरादे से भी है।

यूरोपियन यूनियन भले ही सहयोग की दृष्टि से चीन को बतौर साझेदार ले रही है। लेकिन वह चीन को खतरनाक प्रतिद्वंद्वी की तरह भी देख रही है। दरअसल, चीन की नीतियां यूरोपियन यूनियन के साथ व्यापारिक संबंधों में असंतुलन बना रही हैं। चीन और रूस के बीच बढ़ती निकटता को लेकर भी यूरोपियन यूनियन की चिंता साफ दिखाई देती है। रक्षा मामलों में यूरोपियन देश अमेरिका के बतौर कनिष्ठ सहयोगी बने रहते हैं, इस बात की संभावना कम है कि वे चीन की आक्रामकता के सामने टिकने वाली किसी विदेशी शक्ति का साथ या उसकी मदद करेंगे, जब तक कि अमेरिका उनकी पीठ पर हाथ न रखे।

यदि अमेरिका की मदद न हो तो चीन की आक्रामकता का सामना कर रहे एशियाई देशों को यूरोपियन यूनियन से मदद की आस एक प्रकार से शून्य है, खासतौर पर जब नौबत चीन के साथ लड़ाई की बने। सनद रहे कि चीन के इलाकाई दावों से बने दबाव को झेल रहे फिलीपींस को भारत ने ब्रह्मोस मिसाइलें दी हैं। लेकिन बात जब चीन के साथ अपनी सीमाओं पर तनाव और अनिश्चितता की आए तो भारत अपनी चौकसी में कमी लाना गवारा नहीं कर सकता। विशेषकर जब चीन भारत के दक्षिण एशियाई पड़ोसी मुल्कों पर पूरी शिद्दत से डोरे डालने में लगा हो ताकि दक्षिण एशिया सागर या हिंद महासागर के बंदरगाहों में अपनी नौसेना के लिए ठहराव सुविधाएं सुनिश्चित कर सके। वह पाकिस्तान के बलूचिस्तान में ग्वादर बंदरगाह तक अबाध पहुंच पहले ही हासिल कर चुका है। चीन की निगाह लंबे वक्त से म्यांमार पर भी टिकी है, जहां भारत सित्त्वे बंदरगाह का कामकाज संभालने जा रहा है। इसी बीच, ईरान के चाबहार बंदरगाह का विकास कार्य करवाने को भारत की प्रस्तावित मदद स्वीकार होने पर अफगानिस्तान व मध्य एशिया तक पहुंचने में, भारत को पाक से होकर जाने की जरूरत नहीं रहेगी।

इस्राइल-फलस्तीनी युद्ध शुरू के बाद से भारतीय नौसेना की भूमिका पर अब अंतर्राष्ट्रीय दिलचस्पी साफ तौर पर दिखाई दे रही है। पिछले छह महीनों में, भारतीय नौसेना के जहाजों ने अदन की खाड़ी में मालवाहक जहाजों को संरक्षण देकर पार करवाया है। इसमें साथ लगे अरब सागर और पूरबी सोमालिया तट का इलाका भी शामिल है। इस्राइल-फलस्तीन युद्ध ने अंतर्राष्ट्रीय विवाद और हिंसा को जन्म दिया है। सूझबूझ से काम लेते हुए भारत ने खुद को इस विवाद से फंसने नहीं दिया। इसी बीच, भारत ने अपने ध्यान का मुख्य केंद्र अरब की खाड़ी के मुल्कों की ओर जारी रखा है, जहां लगभग 3.4 करोड़ भारतीय कामगार रोजी-रोटी के लिए बसे हुए हैं। भारत समझबूझ कर इन देशों के साथ अपने संबंध और प्रगाढ़ करने के प्रयास कर रहा है।

–साभा: लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

आज का इतिहास

- 1099 पहली बार धर्मयुद्ध के दौरान येरूशलम में लगभग 15,000 प्रसिद्ध अपराधियों ने नंगे पैर मार्च किया। यूरोपीय ईसाई बलों द्वारा यरूशलेम पर कब्जा करने के साथ पहला धर्मयुद्ध समाप्त हो गया। सामान्य धार्मिक क्षेत्रों पर नियंत्रण पाने के लिए ईसाई और मुस्लिमों के बीच धर्मयुद्ध हुआ था।
- 1283 एक वेलेंटाइन के बेड़े के बेड़े ने माल्टा में एंग्विन बेड़े पर एक पेराई हार को उकसाया, जिससे नेपल्स के चार्ल्स द्व ने सिसिली पर आक्रमण करने की अपनी योजना को स्थगित कर दिया।
- 1579 हमारी लेडी ऑफ कज़ान, रूसी रूढ़िवादी चर्च का पवित्र चिह्न, कज़ान, वर्तमान तातारस्तान, रूस में भूमिगत खोजा गया था।
- 1709 रूस के महान उत्तरी युद्ध-पीटर द्व ने पोल्टावा में चार्ल्स बारहवीं को हराया, प्रभावी रूप से स्वीडन की एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्वीडन की भूमिका को समाप्त कर दिया।
- 1716 डायनेक्लिन का युद्ध पीटर टेर्डेंकॉल्ड के नीचे एक डेनिश-नॉर्वेजियाई बल फंस गया व इस तरह से उसने स्वीडिश बल को हराया।
- 1758 फ्रांसीसी सेनाओं पर फोर्ट टीकेंडरोगा, न्यूयॉर्क में ब्रिटिश और औपनिवेशिक हमले किये गये।
- 1777 वर्मोंट ने नए संविधान का परिचय दिया, जिससे वह गुलामी को खत्म करने वाला पहला अमेरिकी राज्य बना।
- 1791 संगीतकार जोसेफ हेडन को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में संगीत की मानद डॉक्टरेट से सम्मानित किया गया।
- 1792 फ्रांस ने प्रशिया पर युद्ध की घोषणा की
- 1808 जोसेफ बोनापार्ट ने बेओन क़ानून को मंजूरी दे दी, एक शाही चार्टर जिसे स्पेन के राजा के रूप में अपने शासन के लिए आधार के रूप में चुना गया था।

जीवन में धोखा खाना
भी बहुत जरुरी है,
क्योंकि चलना मां-बाप
सीखा देते हैं
लेकिन संभलना खुद ही
सीखना पड़ता हैं।

निशाना

चल रही तलाश !

बनें नए समीकरण ।
चल रही तलाश ।।
लाना अलग चेहरे ।
जगी ऐसी प्यास ।।
करना सब नवीन है ।
आए नई बहार ।।
चाह रहे हम करने को ।
जनता पर उपकार ।।
किए यदि सुधार ।
तय मिलना है फल ।।
कार्यकर्ताओं को ।
मिल जाए कुछ बल ।।
रणनीति ही ऐसी ।
है हमने बनाई ।।
उब गए हैं हम ।
हुई जो जगहंसाई ।

- कृष्णेन्द्र राय

बड़ी सवारी फ़ाज़िल मंज़िल पर हुआ जगन्नाथ यात्रा का स्वागत, दिखी गंगा-जमुनी तहज़ीब

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

रविवार को शहर में कौमी एकता की मिसाल देखने को मिली जहाँ शहर मे आज श्री जगन्नाथ यात्राशुरू हुई वही आज से मुस्लिम समाज के पवित्र पर्व मोहर्रम का चांद दिखा. चांद रात के मौके पर फ़ाज़िल मंज़िल बड़ी सवारी पर सेकड़ो वर्षो की परम्परा के अनुसार ध्वज पेश होता है.इसी दौरान रात्रि 9 बजे प्रभु श्री जगन्नाथ रथ यात्रा जगदीश मंदिर से होते हुए बड़ी सवारी पर पहुंची तो मुस्लिम समाज और मोहर्रम समिति के सदस्यों ने रथ यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत कर समस्त संतो का अभिवादन किया और गले मिलकर बधाइयाँ दी. संतो और धार्मिक गुरुओ द्वारा भी समिति के लोगो को प्रसादी और आशीर्वाद दिया गया.मुहर्रम समिति के फ़ैजान उल हक ने बताया नर्मदापुरम वर्षो से गंगा जमुनी तहज़ीब की मिसाल पेश करता आ रहा है. आज इसी का उदाहरण देखने को मिला. जगन्नाथ यात्रा स्वागत के इस दौरान वाहिद सेठ, फैज़ान उल हक़ , गुलाम मुस्तफ़ा, गुलाम।हैदर , मोहम्मद जावेद , मोहम्मद आमिर एवं पुलिस प्रशासन एव जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

चौरिया कुर्मी महासभा का प्रतिभा सम्मान समारोह हुआ

नपाध्यक्ष पंकज चौरे और समाज के वरिष्ठ लोगों ने किया प्रतिभाओं का सम्मानित

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

चौरिया कुर्मी महासभा म.प्र./महाराष्ट्र का प्रदेश स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह शहर के निजी रिजॉर्ट में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, चौरिया कुर्मी महासभा अध्यक्ष नवीन पटैल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष कुशल पटेल, सुधीर पटेल, बीके पटेल, रामकिशोर चौरे, पुरुषोत्तम पटेल, प्रशांत जाधव, एसके पटेल, बलराम पटेल, एसके पटेल ने समाज की 10 वी और 12वीं छात्र छात्राओं, खेल समाजसेवी का सम्मान किया गया।

चौरिया कुर्मी महासभा के अध्यक्ष नवीन पटेल और सह मीडिया प्रभारी राकेश पटेल ने बताया कार्यक्रम में उन सभी युवाओं का सम्मान किया गया जिन्होंने अपने हुनर और हौसले से अपने आप को निखारा और आज न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे समाज का गौरव बढ़ा रहे हैं। समाज की 250 से अधिक सामाजिक प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। इसमें कक्षा दसवीं व बारहवीं कक्षा में 80त्न या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। इसके अलावा उच्च शिक्षा, खेलकूद और सामाजिक गतिविधियों में बेहतर सेवा दे रहे सामाजिक बंधुओं का सम्मान किया गया। यह वह प्रतिभा है विषम परिस्थिति में संघर्ष कर जो उच्च मुकाम हासिल किए है ऐसे प्रतिभाओं के सम्मान के साथ उनके माता पिता का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज की प्रतिभा को सामने लाने के साथ साथ अन्य युवकों को उत्साहित करने का प्रयास है।कार्यक्रम में भोपाल, इंदौर उज्जैन, नर्मदापुरम, बैतूल, अमरावती, वर्धा, नागपुर की प्रतिभाएं व अनेक सामाजिक बंधु कार्यक्रम में शामिल हुए। सम्मान समारोह में चौरिया कुर्मी महासभा के सचिव गिरधारी चौरे, भगवानदास पटेल, मुकेश चौधरी, जितेंद्र पटेल, बलराम चौरे, विनोद बिहारी पटेल, ओपी पटेल, गणेशराम पटेल, जीवन लाल चौरे, संतोष पटेल, बैतूल से मूलदास सिनोटिया, अशोक सिनोटिया, सतीष झल्लारे, भोपाल से डॉ. रामकुमार चौरे, राजेश पटेल, अरुण पटेल, इंदौर से रघुवरदास चौरे, टीआर चौरे मंडीदीप, चंद्रकांत चौरे, नागपुर से अनिल बमनोटे, श्रीधर बडिए, रामेश्वर, किशोर चौरे, वर्धा से दक्ष तपस्वी आदि का विशेष सहयोग रहा।

इनका हुआ सम्मान

कारगिल युद्ध के सैनिक अश्विनी चौरे, पर्यावरण के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले रेलवे यार्ड मास्टर विनोद चौधरी को सम्मानित किया गया। इसके अलावा कबड्डी रेफरी में 7 वां स्थान प्राप्त करने वाले विवेक हिमांशु चौरे, आईआईटी में 996 रैंक हासिल करने वाले अंशु मलैया, 12वीं में 94त्न अंक लाने वाले रेवांश चौधरी, आयुष कोरी, समर्थ चौधरी, पिंकी चौरे, पावनी चौरे का सम्मान किया गया। इसके अलावा खेल प्रतिभाओं में प्रदर्शन करने वाली ऋषिका पटेल, अंजनी पटेल, स्नेहा चौरे, वेदांत पटेल का महासभा ने सम्मान किया गया।

आवारा मवेशी बने जान के दुश्मन, नगरपालिका नाकाम

इटारसी, पुनीत मालवीय।

शहर में आवारा मवेशी सबसे बड़ी समस्या है, इस समस्या का समाधान आज तक नगरपालिका नहीं कर पाई है। नगरपालिका झूठे वादे करती रहती है कि हम इस समस्या का हल निकालने के लिए जमीन तलाश रहे है, या देख रहे है। लेकिन वास्तविकता तो यह है कि नगरपालिका को अभी तक कही जमीन मिली ही नहीं, जहाँ गौशाला बना कर इन आवारा मवेशियो को वहाँ शिफ्ट कर सके। इन मवेशीयो से आये दिन दुर्घटनाए हो रही है, जिसके चलते राहगीर परेशान है। वही वाहन चालक भी इन मवेशियों से बहुत परेशान है, क्योंकि ये बीच सड़क पर अपना डेरा जमाकर रखते है जिससे यातायात भी प्रभावित होता है। कई बार इन मवेशियों कि वजह से जाम भी लग जाता है। लेकिन नपा इस समस्या को हल करने के झूठे वादे करती रहती है, इनकी वजह से कई जाने जा चुकी है।

कई जा चुकी है जान, लोग रोज हो रहे दुर्घटना के शिकार

अगर देखा जाए तो पिछले समय में इन आवारा मवेशियों के कारण कई लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है, इन मवेशियों के कारण कई परिवार बेघर भी हो चुके हैं। क्योंकि उन परिवारो के लोगो कई मौत इन आवारा मवेशियों के टकराने से हुई है। रविवार को भी यह नजारा देखने को मिला है, खेड़ा पर बीच सड़क पर बैठे आवारा से टकराकर एक मोटरसाइकिल चालक गिर गया और घायल होकर वही वेहोश हो गया। वह युवक सुबह तक वही पड़ा रहा,खेड़े पर आवारा मवेशी पूरी सड़क को घेर कर बीच में बेठते है, जिससे प्रतिदिन मोटरसाइकल चालक दुर्घटना ग्रस्त हो रहे है।

इनका कहना है

हमने साकेत ग्राम की गौशाला बात की जल्द ही हेंडओवर मिलेगा। सभी मवेशीयो को वहाँ भेजा जायेगा, और पशु मालिकों पर जुर्माना भी किया जायेगा।

रितु मेहरा, *सीएमओ नगरपालिका*

मोटरसाइकिल चालक कार से टकराए, तीन की मौत

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

शहर से गुजरने वाले फोरलेन पर सनखेड़ा रोड पर एक कार और बाइक की भीषण टक्कर हो गई। हादसे बाइक सवार तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि कार भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार को क्रेन की मदद से हटाना पड़ा। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार स्विफ्ट डिजायर कार नागपुर से भोपाल की तरफ तेज रफ्तार में जा रही थी। रात करीब दस बजे बाइक सवार नंदलाल पटेल 58, गोपालदास पटेल55 और राजेंद्र यदुवंशी 48 साल ने अचानक ही संनखेड़ा से आते हुए फोरलेन पर बाइक चढ़ा दी। गलत दिशा से बाइक अचानक सामने आ जाने से कार चालक भी कार की गति कम नहीं कर पाया।।कार की जोरदार टक्कर से बाइक सवार उछलकर दूर जा गिरे। टक्कर में कार भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम द्वारा तीनों को अस्पताल लाया गया मगर तब तक उनकी मौत हो गई थी। परिजनों को सूचना मिलते ही अस्पताल में परिजनों और ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। परिजनों के रूदन से अस्पताल परिसर काफी देर तक गूंजता रहा। टीआई गौरव बुंदेला ने बताया कि बाइक चालक फोरलेन पर गलत दिशा से चढ़ रहे थे,इसी वजह से हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार से बाइक की जोरदार टक्कर हो गई।

शक्तिपीठ में गायत्री परिवार की समन्वय समिति की बैठक संपन्न

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

स्थानीय गायत्री शक्ति पीठ में गायत्री परिवार की तहसील समन्वय समिति की बैठक संपन्न हुई बैठक में तहसील समन्वयक उमेश कुमार सिंह ने बताया कि बैठक अनुराग मिश्रा ज़िला प्रतिनिधि की उपस्थिति में शान्तिकुंज हरिद्वार एवं उपजोन प्रभारी रघुनाथ प्रसाद हज़ारी के निर्देशानुसार सभी कार्यकर्ताओं के बीच पंचायतों का दाइत्व सौंपा गया । गायत्री परिवार के सभी कार्यकर्ताओं ने सहर्ष अपनी जवाबदारी लेकर एक नये संकल्प के साथ कार्य करने का उल्लास दिखाया । बैठक में विशेषकर वृक्ष गंगा अभियान के तहत वृक्षारोपण पर केन्द्रित किया गया। परम वंदनीया माताजी भगवती देवी शर्मा के जन्म शताब्दी समारोह के पहले अन्य सभी अभियानों को त्वरित गति से आगे बढ़ाने हेतु निर्देश दिये गये। बैठक में चंद्रमोहन गौर, अशोक यादव, बरूणा सिंह, बसन्त मलैया, अनिता जाट, संध्या मांगरोल, ओ पी गौर, दमयन्ती महोविया, संतोष यादव, रामकुमार गौर, अनीता शर्मा, तुलसीराम बाबरिया, मंजू पठारिया, विनीता सोनी, रामकुमार सोनी, एन डी सराठे, परमराम बतोसिया, एम पी गौर, सुरेन्द्र कुमार सोनी, मुकेश राजपूत, सोनू राजपूत, सुरेखा यादव, केशव मांगरोल आदि गायत्री परिवार के कार्यकर्ता शामिल हुये ।

मेट्रो एंकर — पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने हेतु

संभाग आयुक्त ने आम एवं अशोक का पौधारोपण किया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने हेतु सभी व्यक्तियों को अपने जीवन काल में एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए एवं उसकी देखभाल करनी चाहिए। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत नर्मदापुरम जिले में स्थान स्थान पर अपार उत्साह से आम जनता एवं अधिकारियों द्वारा पौधारोपण किया जा रहा है। पौधारोपण करने के पश्चात सभी लोग पौधों को संरक्षण देने एवं देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं.

रविवार को नर्मदापुरम संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी के नेतृत्व में सभी संभागीय अधिकारियों ने आयुक्त कार्यालय परिसर में अपार उत्साह से सामूहिक रूप से पौधारोपण किया। स्वयं संभागायुक्त श्री तिवारी ने अशोक एवं आम के पौधे का रोपण किया और पर्यावरण के संरक्षण हेतु वृक्षों की हमारे जीवन में क्या उपयोगिता है उसकी जानकारी दी और कहा की सभी अपने इष्ट मित्रों अपने परिजनों एवं अपने पड़ोसियों को समझाइश दे कि वह अपने घरों में, कॉलोनी में, बगीचों में एवं खाली जगह पर अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण करें। इस अवसर पर संयुक्त उपायुक्त गणेश जायसवाल ने अमरूद, संयुक्त उपायुक्त विकास जी सी दोहर ने आम के, संयुक्त संचालक जनसंपर्क रश्मि देशमुख ने अमरूद , जिला आपूर्ति अधिकारी शज्योति जैन सिंघई ने आम के पौधे का रोपण किया।

इस अवसर पर सहायक संचालक कृषि एसआर इवने, संयुक्त संचालक स्कूल शिक्षा भावना दुबे, प्रोफेसर मनीष चौधरी, डॉ आशीष चौरे, डॉक्टर रागिनी, महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक एच के शर्मा, जनजातिय कार्य विभाग के उपायुक्त जेपी यादव, आयुष विभाग के प्रभारी जिला अधिकारी डॉक्टर एस आर कनौजिया, नगरीय प्रशासन के सुनील यादव, सहकारिता विभाग के संयुक्त संचालक राकेश पांडे, आदि ने आम, इमली, बेलपत्र, आंवला, कटहल, जामुन, सीताफल, नीम, करंजी, सहजन, जामफल आदि के पौधों का रोपण किया।

ब्राह्मण समाज ने किया पौधारोपण

नर्मदापुरम ।भगवान जगन्नाथ रथयात्रा के दिन गुजराती बाज खेड़ावाल ब्राह्मण समाज के सदस्यों ने शक्ति मेट्रो कालोनी हरदा वायपास स्थित शिव शक्ति मंदिर में पौधरोपण किया। इस दौरान राजकुमार तिवारी, सौरभ तिवारी, ओमप्रकाश तिवारी, अशोक दुबे, दीपक भट्ट, ज्योति तिवारी , रीता दुबे , बब्ली भट्ट के अलावा अन्य समाजिक जन और स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायतों में किया जा रहा पौधारोपण

नर्मदापुरम। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत वर्षाकाल में पौधारोपण करने के निर्देश शासन ने दिये हैं। जिसके परिपालन में जनपद पंचायत नर्मदापुरम की सभी 49 ग्राम पंचायतों में पौधारोपण का कार्य जारों से किया जा रहा है। पौधारोपण के इस अभियान में आज बीसारोडा, साकेत, नानपा, तालनगरी, रंढाल, पांजराकला आदि ग्राम पंचायतों में पौधारोपण किया गया। जनपद पंचायत सीईओ हेमंत सूत्रकार ने बताया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम 60 पौधे लगाने का लक्ष्य है। जिसके परिपालन में प्रत्येक ग्राम पंचायत में पौधारोपण के फोटो अंकुर पोर्टल के वायुदूत ऐप के माध्यम से अपलोड किए जा रहे हैं । श्री सूत्रकार ने बताया कि इस अभियान में जनप्रतिनिधि, सामाजिक संस्थायें, ग्रामीण जन, विभिन्न विभागों सहित ग्राम पंचायत के कर्मचारी इस अभियान में सहयोग कर रहे हैं।

अधिकारी कार्यवाही करने लाचार और बेबस आते हैं नजर

अधिकारियों पर दबाव और प्रभाव दिखाई देता है स्पष्ट

विकास कार्य चढ़ रहे भेंट

जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत के भ्रष्टाचार में लिप्त अजब-गजब किरदार

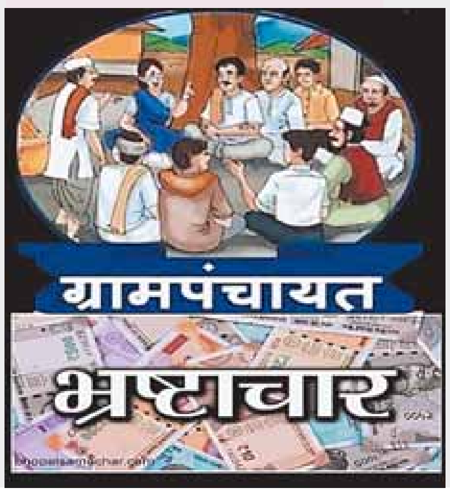

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

भ्रष्टाचार में लिप्त भ्रष्ट आचरण बाले सरपंच सचिव हमेशा जनप्रतिनिधियों की आड़ लेकर भ्रष्टाचार करते हैं,और जिस जनप्रतिनिधि की आड़ लेकर भ्रष्ट आचरण बाले सरपंच सचिव भ्रष्टाचार करते हैं उसे ही ये गुमराह करते हैं।

जिस तरह से भ्रष्टाचार ने ग्राम पंचायतों में अपने पैर पसार रखे हैं, वह बिना राजनैतिक और अधिकारीयों के बगैर संभव नहीं है। भ्रष्टाचार में लिप्त भ्रष्ट आचरण सरपंच सचिव के खिलाफ कार्यवाही नहीं करना संरक्षण देना नहीं है,तो और क्या है, भ्रष्टाचार में लिप्त ग्राम पंचायतों में जिस तरह से बिना किसी डर वाउचरों के माध्यम से भुगतान किया जा रहा है। जीएसटी चोरी की जा रही है कीमत बढ़ा चढ़ा कर सामान खरीदा जा रहा है। ग्राम पंचायत बरखेड़ा माखू,बरोदिया,बाढेर, ऐचदा,जैसी ग्राम पंचायतों आकंठ फैला हुआ है,फिलहाल तो इस फैले हुऐ भ्रष्टाचार को रोकने बाला कंही कोई नजर नहीं आ रहा है। क्योंकि जिन्हें कार्यवाही करना है वह अधिकारी दबाव और प्रभाव के चलते कुंभकरणीय नींद में सोये हुऐ हैं,विगत एक साल के अंदर जिस तरह से टेंट हाउस के और साफ-सफाई के मिठाई के भुगतान वाउचरों से भुगतान किया गया है। यह देख ने बाली बात है। इस खबर में लिखी हुई ग्राम पंचायतें तो सिर्फ बानगी मात्र है। भ्रष्टाचार के मामले में कोई भी ग्राम पंचायत अन्य किसी ग्राम पंचायत से पीछे नहीं है। ग्राम पंचायतों भ्रष्टाचार की जड़ें बहुत गहरी हो चुकी है कि जिसका खामियाजा भ्रष्टाचार के रूप में जनता को भुगतना पड़ रहा है, और जनता की गाड़ी कमाई को फर्जी बाड़ा कर के मौज कर रहे हैं।

नपा की अनदेखी से फिर पुराने बस स्टेंड पर होने लगा अतिक्रमण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विगत कुछ माह पहले ही एसडीएम के निर्देशन में संयुक्त रूप से टीम बनाकर नगर पालिका प्रशासन के द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी इसके बाद शहर की सड़क चौड़ी नजर आने लगी थी वहीं नगर पालिका प्रशासन जिम्मेदारियां के ढीले रवैया के चलते फिर से पुराने बस स्टेंड पर अतिक्रमण होने लगा है। नगर पालिका कार्यालय के सामने भी बड़ी संख्या में लोगों के द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण करके गुमठियों को रखने का काम भी किया जा रहा है, शहर के अन्य स्थानों पर भी ऐसे ही दृश्य देखने को मिल रहे हैं। अतिक्रमण होने से सड़कें एक बार फिर से सकरी होने लगी है। इस वजह से कई बार छोटी और बड़ी दुर्घटनाएं भी घटित हो जाती हैं इनको रोकने के लिए ही प्रशासन ने कार्रवाई थी पर उस पर पानी फेरने का काम नगर पालिका कर रही है।

लड़की की शादी में दावत न देने पर बनी सहमति

सिरोंज। ग्राम पंचायत रीचान में कुरैशी समाज की बैठक आयोजित की गई जिस में सिरोंज से भी कुरैशी समाज के भी कुछ हजरात शामिल हुए इस बैठक में सभी ने अपनी अपनी बात रखी वहीं अधिकतर कुरैशी समाज के लोगों का कहना था की निकाह मस्जिद में कराया जाए और लोकल के बारातियों को शादी में अगर बारात शहर के शहर में या फिर गांव के गांव में आती है तो किसी के लिए भी खाने की दावत न दी जाए और बारात से पहले जो रतजगा दिया जाता है उसे भी बंद करने की बात कही गई सभी ने इस काम को रोकने की सहमति दी। आपको बता दें कि इस काम की शुरुआत कोर्ट मोहल्ले के कुरैशी समाज के कुछ लोगों द्वारा पहल की गई थी और इस संबंध में कोर्ट मोहल्ले और फखरुद्दीन साहब के पहाड़ पर मशवरा भी रखा गया था और पूर्व में जनपद पंचायत भगवानपुर मोहल्ला कीड़ी मोहल्ला रकाबगंज मे बैठक रखी गई थी जिसमें समाज जनों द्वारा इस बात पर सहमति जाहिर की गई थी इस बात की सूचना जैसे ही ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचना शुरू हुई तो समाज जन जागरूक हुए और ग्राम पंचायत रीचान में भी कुरैशी समाजजनों ने इस संबंध में बैठक का आयोजन कर ऐसी कुरुतियों को रोकने पर सहमति जहिर की आने वाले टाइम पर इस्तेमे की शादियां भी करेंगे।

न्यायालय में हुआ विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया पौधारोपण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

न्यायालय भवन में न्याय सबके लिए विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया इस शिविर में न्यायालय प्रथम जिला न्यायधीश सुरेन्द्र मेश्राम सिरोंज न्यायालय न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी श्रीमती पलल्वी शर्मा सिरोंज पुलिस अनुविभागीय अधिकारी उमेश तिवारी थाना प्रभारी संदीप पवार अभिभाषक संघ अध्यक्ष कपिल त्यागी सचिव पियूष चौरसिया मीडिया प्रभारी अशोक शर्मा एडवोकेट सचिन शर्मा जाहिद खां एडवोकेट थाना सिरोंज, थाना मुगल सराय थाना दीप ना खेड़ा थाना पथरिया के थाना प्रभारी थानेदार प्रधान आरक्षक उपस्थित थे शिविर में एक जुलाई 2024 से लागू हुई विधिप्रकिय पर संगोष्ठी हुई विधिक साक्षात्कार शिविर में प्रथम जिला न्यायधीश सुरेन्द्र मेश्राम ने भारतीय नागरिक सुरक्षा सहिंता भारतीय न्याय सहिंता भारतीय साक्षय अधिनियम , एवं पास्को एक्ट के नये संशोधित कानून के विषय में तथा थाने में व घटना स्थल होने वाली कार्यवाही के विषय मे विस्तार से जानकारी दी नवीन संशोधित कार्यवाही में विवेचाक द्वारा विवेचना के दौरान कि जाने वाली सबधानी यो के विषय में बताया थाने से आये पुलिस अधिकारी द्वारा पूछे गये सवालों के भी न्याय धीशो द्वारा जबाब दिऐ गये वही न्यायालय परिसर सिरोंज में वृक्षारोपण किया गया जिसमें आम जमुन अवला आदि पौधें पुलिस, न्यायालय परिवार तथा अभिभाषक ने लगाया तथा न्यायालय परिसर में साफ सफाई कि गयी कुऐं की भी साफ सफाई कि गयी अंत में सभी का आभार व्यक्त एडवोकेट कपिल त्यागी ने किया।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने अपने घर के सामने सड़क की कराई मरम्मत, लेकिन वार्डवासी परेशान

सड़क निर्माण,सफाई न होने से वार्डवासी परेशान,सड़क के गंदे पानी में गिर रहे बच्चे

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर के आरोन रोड स्थित वार्ड क्रमांक 13 दुर्गा नगर कॉलोनी के हालात किसी से छिपे नही है और खास बात तो यह है कि उक्त कॉलोनी में जिला पंचायत उपाध्यक्ष एंव भाजपा के वरिष्ठ नेता दरयाब सिंह कुर्मी निवासी करते है। वार्ड की सड़क,नाली व साफ-सफाई की समस्या के लिए कई बार वार्डवासी शिकायत लेकर जा चुके है। लेकिन वार्डवासियो की सुनने वाला कोई नही। सड़क,नाली के लिए वार्डवासी कई वर्षा से नगर पालिका के चक्कर भी काट रहें है। लेकिन नपा द्वारा भी उक्त कॉलोनी की र्दुदशा ध्यान नही दिया जा रहा। मिली जानकारी अनुसार जिला पंचायत उपाध्यक्ष के निवास के सामने ही तालाब जैसा नजारा देखा जाता था। लेकिन कुछ दिनों पूर्व जिला उपाध्यक्ष जी ने अपने स्वंय के निवास के सामने मिट्टी डलवाकर अपनी समस्या का तो समाधान निकाल लिया और वार्डवासी अभी भी वार्ड की समस्याओं से जूझ रहें है।

घरो में घुसता है बारिश का पानी -

वार्ड क्रमांक 13 दुर्गा नगर कॉलोनी में सड़क,नाली न होने से बारिश के मौसम में वार्ड वासियो को काफी परेशानियो का सामना करना पड़ रहा है। पूरी कॉलोनी की एक भी ऐसी गली नही है यहा बारिश का पानी न भराता हो। साथ ही कॉलोनी में नालिया का निर्माण न होने से घरों से निकलने वाला गंदा पानी भी सड़को पर बहता रहता है। जिससे आवागमन करने वाले नागरिको को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आवागमन के लिए लोगों को दूसरे रास्ते का सहारा लेना पड़ रहा है। पानी से बदबू आने से लोगों को संक्रामक बीमारियों का भय सता रहा है। इससे लोगों में रोष गहराता जा रहा है। वही बारिश के समय नाली न होने से बारिश का पानी घरो में घुसता है जिसके चलतें घर में रखा समान खराब हो जाता है।

कई बार कर चुके शिकायत-

वार्डवासी अजब सिंह,सुमित जैन,गोलू राठौर हरिराम बघेले ने बताया कि हम सड़क और सफाई को लेकर कई बार प्रशासनिक अधिकारी,नगर पालिका से लेकर सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत कर चुके है लेकिन आज तक कोई सुनवाई नही हुई। वही उन्होने बताया कि सड़क पर गंदा पानी जमा होने से आवागमन ने दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है। वही मुख्य सड़क तक जाने के लिए सिर्फ इसी मार्ग का सहारा है और वार्डवासियो गंदे पानी के बीच से आने-जाने को विवश हैं। बारिश होने पर स्थिति और भी खराब हो जा रही है। पानी से बदबू आने से संक्रामक बीमारियों का भय सता रहा है।

आए दिन कीचड़ में गिरते है बच्चे -

पानी निकासी न होने के कारण पूरे वार्ड में जलभराव की स्थिति बनी रहती है। आलम यह है कि स्कूल,कोचिंग जाने वाले विद्यार्थी रोजाना कीचड़ और गंदे पानी के बीच से होकर स्कूल जाने को मजबूर हैं। कई बार शिकायत के बाद भी नगर पलिका के जिम्मेदार अधिकारी सुध नहीं ले रहे हैं। गंदगी के कारण बीमारियां फैलने का भी डर बना हुआ है। वरिष्ठ समाजसेवी कमलेश कुशवाह ने बताया कि वार्ड में सडक और नालियों का निर्माण नहीं हुआ है। ऐसे में घरों से निकलने वाला गंदा पानी सड़क पर जमा हो जाता है। पिछले कई माह से यह स्थिति है। आलम यह है कि वार्ड के प्रत्येक घर के गेट के सामने गंदे पानी के तालाब बन गए है। गंदे पानी के बीच वार्डवासी ईंट बिछाकर सड़क पार करने को मजबूर है। कई बार तो छोटे-छोटे बच्चे गंदे पानी में गिरकर चोटिल हो चुके हैं।

सड़कों पर भरा रहता है पानी -

वार्ड की सड़कों पर दिन भर पानी भरा रहता है। जिससे लोगों का पैदल चलना तक मुश्किल है। लोग कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती। बारिश में जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। सुमित जैन,निवासी दुर्गा नगर कॉलोनी सिरोंज।

इनका कहना है -

गंदगी से परेशान हैं लोग- हमारे वार्ड में खाली प्लाटों में बारिश का पानी भर जाने के कारण मच्छर पनपते हैं। वहीं सड़कों पर भी गंदगी रहती है। जिससे लोगों को परेशानी होती है। सड़के बनाने के साथ नियमित सफाई होना चाहिए।

***सतीश धाकड़,** निवासी दुर्गा नगर कॉलोनी सिरोंज।*

नहीं किया विकास - वार्ड में सड़कों का निर्माण प्राथमिकता से किया जाना था। जो कि आज तक नहीं किया गया। इसके अलावा सफाई और पानी की व्यवस्था भी की जानी चाहिए थी जो नहीं की गई। इसका खामियाजा वार्डवासियों को भुगतना पड रहा है।

***कमलेश कुशवाह,** निवासी दुर्गा नगर कॉलोनी सिरोंज।*

हम प्रयास कर रहें है जल्द ही उक्त वार्ड में सड़क,नाली की समस्या का समाधान किया जाएगा।

***मन मोहन साहू,** अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सिरोंज।*

मेट्रो एंकर — **अध्यक्ष के निर्देश के बाद नाली पर स्लोप और चेम्बर का नपा ने काम कराया प्रारंभ**

पानी निकासी की समस्या को भी दूर करेंगे

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

दो सप्ताह पहले छतरी से लेकर कस्टम पथ वाले बडी नाली की सफाई करते हुए यहां पर गहरा गड्ढा हो गया था इसके कारण गौरव नगर तथा भवानी नगर में जाने वाले लोगों को काफी परेशानी हो रही थी दो पहिया वाहन भी नहीं निकल पा रहे थे। नगर पालिका के द्वारा खुदाई के बाद इसका समाधान नहीं किया था बनाए गए थे इस वजह से यहां का रास्ता भी पूरी तरह से बंद हो गया था कई दिनों से यहां के रहवासी परेशान हो रहे थे। सूचना पर नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू मौके पर पहुंचे उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल मौके पर उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मैना नगर पालिका इंजीनियर आदि को बुलाकर यहां पर जाल स्लोप तथा चौंबर बनाकर व्यवस्था करने के निर्देश दिए थे । हमारे संवाददाता ने इस मामले को प्रमुखता से उठाया था रविवार को नगर पालिका परिषद के अधिकारियों ने अध्यक्ष के निर्देशों के बाद यहां पर कार्य प्रारंभ करवा दिया गया है। जल्दी ही काम होने के बाद यहां पर आने जाने वालों की समस्या खत्म हो जाएगी बड़ी संख्या में आसपास में रहने वाले लोगों को भी इस समय से मुक्ति मिल जाएगी अभी दूसरे रास्ते से जाना पड़ रहा था इसके लिए उन्हें काफी चक्कर भी लगाना पड़ता था कई लोग तो यहां पर पहुंच जाते थे और पता चलता है कि यह रास्ता तो बंद है फिर यहां लोग वापस दूसरे रास्ते से शहर तथा अपने अन्य स्थानों के लिए जाते थे। जल्दी ही इसका काम ठेकेदार के द्वारा पूर्ण कर दिया जाएगा। रविवार को भी अध्यक्ष मनमोहन साहू ने इन कामों का जायजा लेकर जल्दी ही गुणवत्ता के साथ काम पूर्ण करने के निर्देश भी ठेकेदार को दिए।

पानी निकासी की समस्या को भी दूर करवा रहा है -

नगर में चारों तरफ अवैध रुप से काटी गई कॉलोनी की भरमार होने के कारण तथा शहर का सीवेज सिस्टम सही हो नहीं होने के कारण बरसात के दिनों में लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है जरा सी बारिश होने पर सड़के पानी से लबालब हो जाती है। क्योंकि अधिकांश नाले नालियां चौंक पड़ी हुई है दूसरी ओर अवैध कॉलोनी में पानी निकासी की समस्या होने के कारण यहां पर और भी ज्यादा स्थिति खराब हो जाती है। सबसे ज्यादा परेशानी इन कॉलोनी में रहने वाले लोगों को बरसात के दिनों में उठानी पड़ती है। नगर पालिका प्रशासन अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों का कार्रवाई करने रही और नाही समय रहते ध्यान देती और अब समस्याओं को भी दूर नहीं कर रही इस वजह से इनकी परेशानी बड़ी हुई है। इनकी समस्या के समाधान के लिए भी नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू ने बताया कि हम शहर का जायजा लेकर इस समस्या के समाधान के लिए भी काम कर रहे हैं कहीं भी पानी निकासी की समस्या को उत्पन्न नहीं होने दी जाएगा हमारे संवाददाता के द्वारा भवानी नगर के रामकुमार सहेले के घर में पानी भर जाने के मामले को भी प्रमुखता से उठाया था इसका ज्यादा लेने के लिए अध्यक्ष पहुंचे और यहां पर पानी निकासी की समस्या को भी दूर करवाया अन्य स्थानों पर भी जो समस्या निर्मित हो रही है उसको भी दूर करवाने की बात कही गई है।

इनका कहना है -

मैं स्वयं नगर पालिका की टीम को लेकर शहर का भ्रमण करूंगा बरसात के दिनों में पानी निकासी की समस्या को दूर किया जाएगा।

***हर्षल चौधरी** एसडीएम*

लगातार शहर का भ्रमण कर रहा हूं जहां से भी कोई समस्या आ रही है उसको तत्काल दूर करवाने का काम किया जा रहा है किसी को भी परेशान नहीं होने दिया जाएगा।

***मनमोहन साहू** अध्यक्ष नपा सिरोंज*

हज के सफर से वापसी पर विधायक आरिफ मसूद के घर लगा बधाईयों का सिलसिला

सिरोंज। भोपाल मध्य विधायक आरिफ मसूद अभी हाल ही मे हज के पाक सफर से वापास आये है अल्लाहपाक हज को कुबूल फरमाए आरिफ मसूद के आने पर भोपाल स्तिथ उनके निवास पर बधाइयों का सिलसिला लगातार चल रहा है चारो तरफ खुशियो का माहोल है हर कोई खुश नजर आ रहा है और खुश होना भी चाहिए क्युकी आरिफ मसूद एक लम्बे मुकाददस पाक सफर से कई दिनों के बाद वापस आये है अल्लाहपाक हज को कुबूल फरमाए और हर मुसलमान को हज, उमरे पर जाना आसान फरमाए (आमीन) बधाईयों के सिलसिले मे चार चाँद और लग गए जब आरिफ मसूद के निवास पर भोपाल उत्तर विधानसभा के पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री आरिफ अकील, और उनके बेटे उत्तर विधानसभा के विधायक आतिफ अकील हज की मुबारकबाद देने के लिए आये तो मुबारकबाद का माहोल और खुशनुमा हो गया सभी ने मुबारकबाद दी और आरिफ मसूद ने जनाब आरिफ अकील का खुद गुलदस्ता दे कर स्वागत किया बड़ा ही खुशनुमा माहोल हो गया था सभी लोग बहुत खुश थे सभी के दिल से इन लोगो के लिए दुआएं निकल रही थी हर कोई कह रहा था अल्लाह इन लोगो को बुरी नजरों से बचाय, बधाइयों के लगातार सिलसिले मे सिरोंज कहा पीछे रहने वाला है सिरोंज के आरिफ मसूद के बहुत पुराने साथी जो कई वर्षो से आरिफ मसूद के साथ जुड़े हुए है जिला कांग्रेस कमेटी के जिला उपाध्यक्ष डॉक्टर वसीम ने अपने बेटे वहाज के साथ जाकर आरिफ मसूद को मिठाई खिला कर मुबारकबाद दी और दुआओं की दरखास्त की, और आरिफ मसूद के हज के सफर के बारे मे खूब बात चीत हुई।

टीम इंडिया के कप्तान का चयनकर्ता कौन?

29 जून के दिन भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए यादगार बन गया।दरअसल 13 साल से किसी भी आईसीसी खिताब की बाट जोत रही टीम इंडिया को वर्ल्ड चैंपियन का खिताब आखिरकार इस दिन मिल ही गया।2007 में पहले टी20 वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने वाली टीम इंडिया ने 17 साल बाद यह ट्रॉफी फिर से हासिल कर ली है। टी20 चैंपियन बनते ही इस टीम के तीन दिग्गज रोहित, विराट और जडेजा ने इस फॉर्मेट से अंतरराष्ट्रीय रिटायरमेंट की घोषणा भी कर दी है।सच कहें तो इन तीनों खिलाडी का इस फॉर्मेट से विदाई लेने का सबसे सम्मानजनक तरीका समझा जा सकता है,क्योंकि अगर टीम इंडिया खिताब जीतने में नाकामयाब रहती तो फिर इन्ही खिलाड़ियों के सर पर हार का ठीकरा फूटना भी तय था।मेरे इस तर्क की वजह टीम इंडिया के भावी हेड कोच गंभीर का वह बयान हैजिसमें उन्होंने टीम इंडिया के कुछ सीनियर खिलाड़ी के थकने की बात कही थी।उनका इशारा साफतौर पर इन्ही तीनों खिलाड़ियों के लिए था।खैर क्रिकेट के खेल में अगर मगर के मायने एक हद तक सीमित कहे जा सकते हैं,और हकीकत में अब रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड चैंपियन है।भले ही मौजूदा वर्ल्ड कप में जडेजा का कोई खास योगदान न रह हो लेकिन विराट कोहली की फाइनल पारी व कप्तान रोहित शर्मा की बल्लेबाजी व सूझबूझ भरी कप्तानी की गूंज क्रिकेट से लेकर राजनीतिक गलियारे में तैर रही है।चैंपियनशिप का खिताब जीतकर लौटी टीम इंडिया का दिल्ली से लेकर मुंबई तक भारी स्वागत सत्कार हुआ,जिसकी वह वाकई हकदार भी है। एक तरफ जहां चैंपियन टीम इंडिया जीत के जश्न के साथ परिवार के साथ समय गुजारने में व्यस्त है,वहीं सेकंड टीम इंडिया के युवा ज़िम्बाब्वे में धमाल कर रहे हैं। इसी बीच बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने कल यकायक एक वीडियो जारी करते हुए एकदम साफ कर दिया कि रोहित शर्मा की कप्तानी में ही टीम इंडिया चैंपियंस ट्रॉफी और डब्लूटीसी(टेस्ट चैंपियनशिप) दोनों खिताब जीत सकती है।अगर बगैर चयनकर्ताओं के फैसले इस इतर बीसीसीआई सचिव के बयान का मतलब समझें तो ऐसा लगता है कि अगले 1 साल के लिए इन दो फॉर्मेट में रोहित शर्मा की कप्तानी की घोषणा कर दी है।दरअसल 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी होना है,जबकि टेस्ट चैंपियनशिप का फायनल भी लगभग सालभर बाद ही खेला जाएगा।इस बात में कोई शक नहीं कि भारतीय क्रिकेट में बीसीसीआई /अध्यक्ष सचिव ही संस्था का सर्वेसर्वा होता है,लेकिन एक सच यह भी है क्रिकेट की राष्ट्रीय व्यवस्था के लिए अलग अलग समिति गठित होती हैं।टीम इंडिया के कप्तान व टीम के चयन की जिम्मेदारी रास्ट्रीय चयन समिति की ही होती है,ऐसे में बीसीसीआई के प्रमुख पदाधिकारी की रोहित शर्मा कप्तानी में भविष्य के खिताब जीतने वाले बयान के मतलब एकदम साफ हैं कि चयनकर्ताओं को इन दो फॉर्मेट वाली टीम इंडिया के कप्तान पर फैसला लेने का अधिकार फिलहाल नहीं है।क्योंकि टी20 फॉर्मेट को छोड़कर बचे हुए फॉर्मेट के लिए एक साल के टीम इंडिया के कप्तान की घोषणा पर सचिव ने ठप्पा लगा दिया है।सवाल यह उठता है कि जब टीम इंडिया के कप्तान ओर टीम के चयन की घोषणा हमेशा ही चयनकर्ताओं के द्वारा की जाती है तो फिर अध्यक्ष/सचिव को इस तरह की कप्तानी की घोषणा के मायने क्या कहे जायेंगे। वाकई आने वाले समय मे टीम इंडिया के कप्तान के चयनकर्ताओं का अधिकार टीम के चयन तक ही सीमित होने वाला है।भारतीय क्रिकेट के चाहने वालों के नजरिये से सवाल थोड़ा अटपटा जरूर है लेकिन बीसीसीआई सचिव के इस बयान से मेरे जेहन में तो यही बात बार-बार आ रही है कि आख़िरकार टीम इंडिया के कप्तान का चयनकर्ता कौन...

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

अभिषेक जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 सेंचुरी बनाने वाले पहले भारतीय बने

भारत का हरारे में हाईएस्ट स्कोर, इस फॉर्मेट में 34वीं बार 200 पार

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत ने जिम्बाब्वे को दूसरे टी-20 में 100 रन से हराकर सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए इस मुकाबले में भारत के अभिषेक शर्मा ने शतक लगाया, जिसकी बदौलत टीम ने 234 रन का स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में जिम्बाब्वे 134 रन ही बना सका। अभिषेक शर्मा ने 47 गेंद पर 100 रन की पारी खेली। वे जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 में शतक बनाने वाले पहले भारतीय बने। इस टीम के खिलाफ टेस्ट में संजय मांजरेकर और वनडे में कपिल देव ने पहली सेंचुरी बनाई थी। अभिषेक ने ऋतुराज के साथ रिकॉर्ड साझेदारी भी की। भारत ने टी-20 मैच में 34वीं बार 200 रन से ज्यादा का स्कोर बनाया। टीम ने टी-20 मैच के आखिरी 10 ओवर में सबसे ज्यादा बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया।

जिम्बाब्वे के खिलाफ भारतीय बैटर्स की सबसे बड़ी पार्टनरशिप

जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत ने किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी की। अभिषेक शर्मा और ऋतुराज गायकवाड ने मिलकर 76 बॉल में 137 रन जोड़े। साल 2016 में मंदीप सिंह और के एल राहुल ने पहले विकेट के लिए 103 रन जोड़े थे। इंडिया ने टी-20 में जिम्बाब्वे के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर बनाया। टीम ने 2 विकेट खोकर 234 रन बनाए। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने 2018 में आरोन फिंच के 172 रन की मदद से 2 विकेट खोकर 229 रन बनाए थे। रविवार को भारत-जिम्बाब्वे 368 रन बने, जो दोनों देशों के बीच किसी टी-20 मैच में सबसे ज्यादा रन बनने का रिकॉर्ड है। इससे पहले 2016 में 338 रन बने थे। अभिषेक शर्मा टी-20 में जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत के हाइएस्ट स्कोरर बन गए हैं। उन्होंने 100 रन की पारी खेली। अभिषेक ने सुरेश रैना के 72 रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। अभिषेक शर्मा ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 8 छक्के लगाए। वे इस साल सबसे ज्यादा टी-20 सिक्स लगाने वाले भारतीय बन गए हैं। अभिषेक के नाम 50 छक्के हो गए हैं। उन्होंने रोहित शर्मा (46 सिक्स) और विराट कोहली (45 सिक्स) को पीछे छोड़ा। अभिषेक शर्मा सबसे कम पारियों में टी-20 शतक बनाने वाले भारतीय बैटर बने हैं। उन्होंने दूसरी पारी में ही सेंचुरी बना दी है। अभिषेक ने दीपक हुड्?डा के 3 पारियों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

भारत ने टी-20 मैच के आखिरी 10 ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाए

भारत ने अंतिम 10 ओवर में 160 रन बनाए, जो किसी भी टी-20 इंटरनेशनल के आखिरी 10 ओवर में बना सबसे ज्यादा स्कोर है पहले 2007 में श्रीलंका ने केन्या के खिलाफ 159 रन बनाए थे। भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को 100 रन से हराया। रनों के हिसाब से यह जिम्बाब्वे की संयुक्त सबसे बड़ी हार है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे को 2018 में 100 रन से ही हराया था। इंडिया के लिए किसी टी20 में स्पिनर्स के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में अभिषेक शर्मा नंबर 1 पर पहुंच गए हैं। उनसे पहले 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ युवराज सिंह ने 57 रन बनाए थे।

भारत के खिलाफ जिम्बाब्वे का हाईएस्ट पावरप्ले स्कोर

जिम्बाब्वे ने भारत के खिलाफ पावरप्ले में अपना बेस्ट स्कोर बनाया। उन्होंने 6 ओवर में 58 रन बनाए। इससे पहले 2016 में जिम्बाब्वे ने 41 रन बनाए थे।

‘सफलता के लिए टीम का माहौल अच्छा होना जरूरी’

गुरुमंत्र : टी-20 विश्व चैंपियन बनने वाली टीम इंडिया के पूर्व कोच द्रविड़ ने बताई कोच के तौर पर अपनी सोच

नईदिल्ली, एजेंसी

आइसीसी टी-20 विश्व कप चैंपियन बनने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का मानना है कि कोचिंग का मतलब परिणाम के पीछे भागना नहीं बल्कि टीम के लिए सुरक्षित माहौल बनाना है और यही सफलता का गुरुमंत्र है। द्रविड़ का कार्यकाल विश्व कप के बाद खत्म हो गया है और उन्होंने दोबारा अप्लाई भी नहीं किया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कोचिंग को लेकर अपनी सोच और भारतीय टीम के साथ बिताए पलों को साझा किया। साथ ही उन्होंने रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें शानदार कप्तान और बेहतरीन इंसान बताया। द्रविड़ ने कहा कि कप्तान रोहित शर्मा को एक युवा खिलाड़ी से विश्व चैंपियन कप्तान बनते देखना सुखद अहसास है। उन्होंने कहा, रोहित को मैं बचपन से जानता हूं। मैंने उन्हें एक इंसान और एक कप्तान के तौर पर विकसित होते हुए देखा है। एक खिलाड़ी के तौर पर उन्होंने पिछले 10-12 सालों में टीम के लिए बहुत कुछ किया है। साथ ही द्रविड़ ने कहा कि वह टीम में बहुत बदलाव करने के पक्ष में कभी नहीं रहे।

कोचिंग का मतलब परिणाम के पीछे भागना नहीं होता: द्रविड़ ने कहा, एक कोच के तौर पर मेरा काम कप्तान की सोच को साकार करना और वह टीम को जिस नजरिए के साथ चलाना चाहता है, उसमें मदद करना है। हां, यह सही है कि परिणाम का महत्व है लेकिन मेरा मानना है कि परिणाम कई और चीजों पर भी निर्भर करता है।

कनाडा ओपन बैडमिंटन : अंतिम चार में जगह बनाई

प्रियांशु राजावत ने नंबर-4 खिलाड़ी एंटोनसेन को हराया

कैलगरी, कनाडा, एजेंसी

उदीयमान भारतीय शटलर प्रियांशु राजावत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष वरीय और विश्व नंबर-4 डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन को मात देकर कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व रैंकिंग में 39 नंबर के खिलाड़ी प्रियांशु ने एक घंटे 19 मिनट तक चले क्वार्टरफाइनल में एंटोनसेन को 21-11, 17-21, 21-19 से मात दी। इसके साथ ही 22 वर्षीय राजावत की शीर्ष-10 खिलाड़ी के खिलाफ यह पहली जीत है। प्रियांशु एकल में एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं।

त्रिषा और गायत्री की जोड़ी हारी

त्रिषा जॉली और गायत्री गोपीचंद की तीसरी वरीय भारतीय महिला युगल जोड़ी को क्वार्टरफाइनल में हारकर बाहर होना पड़ा। चीनी ताइपे की पेई शाह सीह और एन त्जु हंग ने भारतीय जोड़ी को 21-18, 19-21, 21-16 से हराया

अब फ्रांस के एलेक्स लेनिएर के साथ भिड़ंत

22 वर्षीय प्रियांशु राजावत का सामना अब फ्रांस के एलेक्स लेनिएर के साथ होगा, जिन्होंने क्वार्टरफाइनल में जापान के केंटा निशिमोटो को शिकस्त दी थी।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

मृणाल ठाकुर ने की ‘कल्कि 2898 एडी’ की समीक्षा, अमिताभ बच्चन को बताया शहंशाह

इस साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक ‘कल्कि 2898 एडी’ रिलीज होने के बाद से लगातार रिकॉर्ड्स बना रही है। फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। नाग अश्विन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में पौराणिक कथाओं और साइंस फिक्शन का अद्भुत मिश्रण देखने को मिला है। दर्शकों को यह फिल्म काफी पसंद आ रही है, जिसकी वजह से इसकी कमाई लगातार बढ़ती जा रही है। इस फिल्म को ना सिर्फ दर्शकों ने बल्कि कई मशहूर हस्तियों ने भी सराहा है। अब इस कड़ी में मशहूर अभिनेत्री मृणाल ठाकुर का नाम भी जुड़ गया है। उन्होंने हाल में अपने सोशल मीडिया पर फिल्म की तारीफ करते हुए एक खास पोस्ट साझा किया है। मृणाल ठाकुर कल्कि 2898 एडी फिल्म में कैमियो करती नजर आई थीं। हालांकि, वह स्क्रीन पर बहुत कम समय के लिए ही दिखती हैं, लेकिन उस दौरान वह काफी दमदार नजर आती है। अभिनेत्री ने अपनी भूमिका के लिए एक आभार नोट लिखा है और साथ ही फिल्म के बाकी कलाकारों के अभिनय की सराहना भी की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, क्या फिल्म है। इसके दृश्यों ने मुझे पूरी तरह से प्रभावित कर दिया है। फिल्म में पूरी टीम ने शानदार काम किया है। कलाकारों से लेकर सेट तक, संगीत से लेकर वीएफएक्स और कॉस्ट्यूम तक, सब कुछ बहुत बढ़िया तरीके से किया गया है। उन्होंने निर्देशक की तारीफ करते हुए लिखा, नाग अश्विन गारू आपके विजन और इस शानदार अनुभव को जीवंत करने के लिए आपको सलाम। अभिनेत्री ने अपने इस पोस्ट में आगे लिखा, अमिताभ बच्चन सर आप वास्तव में शहंशाह हैं। अश्वत्थामा के रूप में आप बेहद शानदार लगते हैं, मैं अभी भी इस बात से हैरान हूं कि आपने जिसतरह से हर सीन पर अपनी छाप छोड़ी है। इसके अलावा दीपिका की तारीफ करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, दीपिका आपने सुमति को बेहद खूबसूरती से जिया है और मुझे स्क्रीन पर आपकी मौजूदगी बहुत पसंद आई है, आपने काफी बढ़िया काम किया है। इसके साथ ही मृणाल ने प्रभास की भी तारीफ करते हुए कहा, प्रभास गारू, आपने वाकई में कमाल कर दिया है। आपके किरदार के सभी रंग और जिस तरीके से आपने भैरव का किरदार निभाया है, वह मुझे बहुत पसंद आया।

‘बैड न्यूज’ के गाने में विक्की-तृप्ति के बीच दिखेगी केमिस्ट्री

बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी की फिल्म बैड न्यूज का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म में दोनों सितारे पहली बार स्क्रीन साझा करते हुए नजर आएंगे। फिल्म का ट्रेलर दर्शकों को बेहद पसंद आ रहा है। इसके अलावा फिल्म का पहला गाना तौबा तौबा दर्शकों के बीच खूब धूम मचा रहा है। सोशल मीडिया पर फिल्म का गाना खूब धमाल मचा रहा है। इसी बीच मेकर्स ने फिल्म के अगले गाने का टीजर जारी कर दिया है। तौबा तौबा की सफलता के बाद विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी अपने नए गाने जानम के साथ धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। गाने का पोस्टर भी जारी कर दिया गया है। गाने के पहले पोस्टर में विक्की और तृप्ति की जबर्दस्त केमिस्ट्री की झलक देखने को मिल रही है। इसके साथ ही गाने की रिलीज डेट का भी खुलासा कर दिया गया है। बैड न्यूज का दूसरा गाना जानम 9 जुलाई को रिलीज किया जाएगा। विक्की ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, जानम गाना 9 जुलाई को रिलीज होगा। फोटो में विक्की और त्रिप्ति बेहद ग्लैमरस और बोल्ड अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। दोनों पूल के अंदर रोमांटिक पोज देते हुए दिखाई दे रहे हैं। पूल के चारों ओर कैंडल जलते हुए नजर आ रहे हैं। आनंद तिवारी के निर्देशन में बनी बैड न्यूज एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। फिल्म का निर्माण हीरू यश जौहर, करण जौहर, अपूर्व मेहता, अमृतपाल सिंह बिंद्रा और आनंद तिवारी ने किया है।

‘धक धक’ की असफलता पर तापसी पन्नू की दो टूक, सह निर्माताओं पर साधा निशाना

तापसी पन्नू अपनी बोल्ड फिल्म विकल्पों के लिए जानी जाती हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में फिल्म धक धक के लिए एक निर्माता के रूप में अपनी यात्रा साझा की। 2022 में हॉरर थ्रिलर ब्लर के साथ एक निर्माता के रूप में अपनी शुरुआत के बाद, पन्नू ने तरुण डुडेजा द्वारा निर्देशित धक धक के साथ एक बड़े प्रोजेक्ट में कदम रखा। हालांकि, अभिनेत्री ने इस फिल्म से जुड़ा एक बड़ा खुलासा किया है, जिसके कारण वह जबर्दस्त सुर्खियां बटोर रही हैं। एक हालिया इंटरव्यू में तापसी पन्नू ने फिल्म धक धक के प्रदर्शन और उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा, यह बहुत हृदयविदारक था। मैं वैकल्पिक करियर बनाने के लिए निर्माता नहीं बनी। मैं एक अभिनेत्री के रूप में बहुत अच्छा कर रही थी। पन्नू ने इस बात पर जोर दिया कि वह ऐसी फिल्में बनाना चाहती थीं जिनका वह सक्रिय रूप से हिस्सा नहीं थीं। धक धक उस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। तापसी पन्नू ने सुझाव दिया कि धक धक के सह-निर्माताओं ने फिल्म का पूरा समर्थन नहीं किया। उन्होंने प्रमोशन और पर्याप्त नाटकीय रिलीज में निवेश की कमी पर निराशा व्यक्त की। अभिनेत्री ने अपनी बात में जोड़ा. अगर यह बड़े बजट की फिल्म नहीं है, तो स्टूडियो फिल्म के सिनेमाघरों में आने से पहले पैसा वसूल लेते हैं। अब जब उन्होंने अपना पैसा कमा लिया है, तो वे केवल एक सांकेतिक रिलीज करते हैं। वे प्रिंट और विज्ञापन पर भी खर्च नहीं करना चाहते। प्रदर्शकों का मानना है कि चूंकि यह कोई सामूहिक मसाला फिल्म नहीं है, तो बिजली और पॉपकॉर्न पर खर्च क्यों करें? इसलिए वे हमें अजीब शो, थिएटर आदि देते हैं। फिर इसे सप्ताह के मध्य में अचानक हटा दिया जाता है। तापसी यहीं नहीं रुकीं और आगे कहा, उस समय मैं बहुत निराश हो गई थी। हमने फिल्म का ट्रेलर आने के चार से पांच दिन बाद फिल्म दिखाना शुरू किया। लोग हमारे पास आने लगे और कहने लगे कि वे इसे बढ़ावा देने में मदद करेंगे। लेकिन मेरे पास अभी भी निर्माता और सह-निर्माता के रूप में मेरे बगल में खड़े लोग नहीं थे जो कहते हों कि हम जितना कर सकते थे।

मेट्रो बाजार

23 राज्यों ने 10 साल में स्टांप शुल्क से कमाए 13 लाख करोड़

नईदिल्ली, एजेंसी

23 राज्यों में स्टांप शुल्क की वार्षिक चक्रवृद्धि दर 10.4 फीसदी रही है। महामारी के बाद वित्त वर्ष 2019 से 2024 के बीच यह दर 12.5 फीसदी रही है। इससे संकेत मिलता है कि कोरोना के बाद मकानों की बिक्री में अच्छा उछाल आया है। अर्थव्यवस्था में तेजी और कोरोना के बाद बढ़ती मांग से मकानों की बिक्री में भारी उछाल आया है। इससे पिछले 10 वर्षों में 23 राज्यों ने संपत्तियों के पंजीकरण के एवज में 13.7 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की स्टांप ड्यूटी वसूली है। बैंक ऑफ बड़ौदा की जारी रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2015 से 2019 के बीच 23 राज्यों में स्टांप शुल्क की वार्षिक चक्रवृद्धि दर 10.4 फीसदी रही है। महामारी के बाद वित्त वर्ष 2019 से 2024 के बीच यह दर 12.5 फीसदी रही है। इससे संकेत मिलता है कि कोरोना के बाद मकानों की बिक्री में अच्छा उछाल आया है। 23 राज्यों में से 16 राज्यों में स्टांप ड्यूटी बढ़ी है। 10 वर्षों में स्टांप शुल्क दर में काफी बदलाव आया है। कोरोना के समय कुछ राज्यों ने शुल्क को शून्य कर दिया था। हालांकि, अब यह कोरोना के पहले के स्तर पर वापस आ गया है। लोगों की आय स्तर में वृद्धि और खुद का घर होने की चाहत से मकानों की बिक्री में तेजी आई है। इससे स्टांप शुल्क की वसूली भी बढ़ी है। 5 वर्षों में तेलंगाना, बिहार, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, ओडीशा और मेघालय में स्टांप शुल्क में कमी आई है।

83 लाख करोड़ रुपये का होगा रियल एस्टेट क्षेत्र: भारतीय अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में मजबूत गति से बढ़ने के लिए तैयार है। रियल एस्टेट क्षेत्र से बुनियादी ढांचे को पर्याप्त बढ़ावा देकर इसे और तेज किया जा सकता है। वर्ष 2030 तक रियल एस्टेट क्षेत्र के 83 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

जीडीपी में करेगा 15 फीसदी का योगदान: रियल एस्टेट उद्योग 2047 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में 15 फीसदी से अधिक योगदान कर सकता है। अभी यह सात फीसदी है। महंगी संपत्ति की बिक्री में भी लगातार वृद्धि हुई है, जो बढ़ती आय और दबी हुई मांग का संकेत है। विदेशी निवेशकों ने जनवरी से जून के दौरान भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में 3.1 अरब डॉलर का निवेश किया है।

खाद्य पदार्थों के पैकेट पर बड़े अक्षरों में देनी होगी नमक, चीनी की जानकारी; बदले नियम को मिली मंजूरी

नईदिल्ली, एजेंसी

खाद्य पदार्थों के पैकेट पर अब बड़े अक्षरों में देनी होगी नमक, चीनी और वसा की जानकारी देनी होगी। नियामक ने इस संबंध में लेबलिंग नियमों में बदलाव को मंजूरी दी। खाद्य नियामक एफएसएसएआई खाद्य पदार्थों के पैकेट पर नमक, चीनी और वसा से जुड़ी जानकारी बोल्ड अक्षरों के साथ बड़े फॉन्ट में देने को अनिवार्य करने की तैयारी कर रहा है। नियामक ने इस संबंध में लेबलिंग नियमों में बदलाव को मंजूरी दी। अब, इस संशोधन के लिए मसौदा अधिसूचना जारी कर सभी हितधारकों से सुझाव और आपत्तियां मांगी जाएंगी। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण की तरफ से जारी बयान में बताया गया कि पैकेट पर पोषण संबंधी जानकारी देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। यह फैसला एफएसएसएआई के चेयरमैन अपूर्व चंद्रा की अध्यक्षता में लिया गया। नियामक ने कहा, संशोधन का मकसद उपभोक्ताओं को उत्पाद के पोषण मूल्य को अच्छी तरह समझने और बेहतर निर्णय लेने में सक्षम बनाना है।

महिला क्लर्क के खाते से उड़ाए 40 हजार रुपए

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एमपी नगर पुलिस ने एक महिला क्लर्क की रिपोर्ट पर अज्ञात जालसाजों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। आरोपियों ने क्लर्क को बिग बास्केट की लिंक भेजकर कई प्रकार के ऑफर दिए। महिला ने जैसे ही लिंक पर क्लिक किया, वैसे ही उनके खाते से तीन बार में चालीस हजार रुपए कट गए. जानकारी के अनुसार कोलार रोड निवासी पी. चौरसिया (31) जिला न्यायालय में क्लर्क हैं। अप्रैल 2023 में वह अपनी ड्यूटी पर थीं, तभी उनके मोबाइल पर बिग बास्केट के नाम पर एक लिंक आई। इसमें कई प्रकार के ऑफर दिखाए गए थे। महिला ने जैसे ही लिंक ओपन की, वैसे ही उनके एकाउंट से तीन बार में कुल 39 हजार 984 रुपए कट गए। इस मामले की शिकायत उन्होंने सायबर क्राइम ब्रांच में की थी। सायबर से प्रतिवेदन आने के बाद एमपी नगर पुलिस ने अज्ञात जालसाजों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है।

अज्ञात बाइक चालक पर एक्सीडेंट का प्रकरण दर्ज

बिना नंबर की बाइक ने युवक को मारी थी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गुनगा इलाके में एक्सीडेंट में हुए एक युवक की मौत के मामले में पुलिस ने अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का मामला दर्ज किया है। बगैर नंबर की बाइक की टक्कर से युवक घायल हुआ था, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई थी। पुलिस टक्कर मारने वाली बाइक और चालक की तलाश कर रही है. जानकारी के अनुसार राजेश अहिरवार पुत्र सीताराम अहिरवार (32) ग्राम रतुआ रतनपुर थाना गुनगा में रहता था। बीती 27 जून को दोपहर करीब साढ़े ग्यारह बजे वह अपनी मोटर सायकिल से रतुआ बाजार से घर लौट रहा था। रतनपुर सोसायटी के पास सामने से आ रही काले रंग की बगैर नंबर की हीरो स्प्लेंडर बाइक के चालक ने राजेश की बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। राजेश को उसके परिजनों ने इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां 30 जून की सुबह करीब साढ़े दस बजे उसने दम तोड़ दिया था। मर्ग जांच के बाद पुलिस ने अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

बारह साल के बच्चे की करंट से झुलसकर मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बिलखिरिया स्थित खदान के पास टायलेट करने पहुंचे 12 साल की बच्चे की करंट से झुलसकर मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में जांच के बाद एक व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया है। जांच में पता चला कि आरोपी ने लापरवाही पूर्वक बिजली का तार डाला था, जिससे बच्चे को करंट लगा था। पुलिस के अनुसार निहाल पाल पिता राकेश पाल (12) ग्राम छापनी पठार में रहता है। पिछले महीने 19 जून की शाम करीब छह बजे वह घर से कुछ दूर स्थित खदान पर टायलेट करने के लिए गया था, तभी उसे बिजली के तार से दाहिने हाथ अंगुलियों में करंट लग गया था। करंट से झुलसे बच्चे को इलाज के लिए एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच के दौरान पता चला कि मनोहर रघुवंशी द्वारा बिजली के नंगे तार लापरवाही से डाले गए थे, जिससे निहाल को करंट लगा था। संपूर्ण जांच और मेडीकल रिपोर्ट के आधार पर आरोपी मनोहर रघुवंशी पर प्रकरण दर्ज कर लिया है।

भारत पेट्रोलियम के डिपो में टैंकर में लगी थी आग

डिपो प्रबंधक, सुरक्षा अधिकारी और निजी कंपनी पर प्रकरण दर्ज

दो साल तक चली जांच के बाद पुलिस ने की कार्रवाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो। भारत पेट्रोलियम भौंरी बकानिया के डिपो में टैंकर में आग लगने के मामले में पुलिस ने डिपो प्रबंधक इकबाल सिंह, सुरक्षा अधिकारी अविनाश सिन्हा समेत निजी कंपनी महेश्वरी इंटरप्राइजेस के मालिक के खिलाफ लापरवाही बरतने का मामला दर्ज किया है। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि अफसरों की लापरवाही के चलते ही टैंकर में आग लगी थी। इस हादसे में चार कर्मचारियों की मौत हो गई थी, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से झुलसे थे।

जानकारी के अनुसार 21 अक्टूबर 2022 को डिपो पर हादसा हुआ था। इसमें सलमान खान, शानू अली, विनोद मालवीय और छोटेलाल नामक कर्मचारी की मौत हो गई थी, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से झुलस गए थे। हादसे के बाद भारत पेट्रोलियम लिमिटेड की टेक्नीकल टीम और पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन द्वारा घटना स्थल बकानिया डिपो की जांच की। जिसमें भारत पेट्रोलियम लिमिटेड की टेक्नीकल टीम द्वारा अपनी जांच रिपोर्ट में टैंकर में आग लगने के लिए बरती गई लापरवाहियों के कारणों का उल्लेख किया गया। पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन नागपुर की जांच रिपोर्ट में बताया गया कि प्रबंधन द्वारा 2002 के नियम 12(1),78(4)(5),(6),118 का पालन नहीं किया गया, जिसके परिणाम स्वरूप यह घटना घटित हुई। इस प्रकार हुआ था हादसा घटना वाले दिन डिपो के भीतर एक साथ तीन टैंकर खड़े हुए थे। दो टैंकरों में पेट्रोल और डीजल भरा जा चुका था, जबकि तीसरे टैंकर में डीजल भरा जा रहा था। डीजल रिफिलिंग के दौरान टैंकर की बैटरी में अचानक स्पार्किंग हुई और आग भड़क गई। रिफिलिंग वाले स्थान पर चारों तरफ ज्वलनशील पदार्थ मौजूद था। स्पार्किंग होने से आसपास काफी दूर तक आग फैली, जिसके चलते मौके पर मौजूद कर्मचारी झुलस गए। इस हादसे में सात लोग गंभीर रूप से झुलस गए थे, जिसमें से चार लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। करीब पौने दो साल तक चली जांच के बाद पुलिस ने तत्कालीन डिपो प्रबंधक, सुरक्षा अधिकारी और निजी कंपनी के मालिक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

मछली पकड़ने जा रहे बाइक सवारों को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, एक की मौत, दूसरा गंभीर

पारदी जोड़ पर हादसा, टक्कर मारने वाले वाहन की पुलिस कर रही तलाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गुनगा थाना क्षेत्र स्थित गांव पारदी जोड़ पर कल सुबह अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर पीछे बैठे युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहा युवक गंभीर हो गया। उसका हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन चालक की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार लोकेश उर्फलुक्खा पिता करण वैसवार (32) कबीटपुरा, थाना शाहजहांनाबाद क्षेत्र में रहता था और प्राइवेट काम करता था। रविवार को काम की छुट्टी होने के कारण वह अपने साथी गोविंद कटारे के साथ मछली पकड़ने के लिए बाइक नजीराबाद स्थित डैम पर जा रहा था। इस दौरान सुबह करीब 9 बजे के आसपास गांव पारदी जोड़ पर उनकी बाइक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। बाइक में टक्कर लगने से लोकेश और गोविंद को गंभीर चोट आईड़थी। लोकेश की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एंबुलेंस की मदद से गोविंद को हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो। बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित छावनी पठार में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार कैलाश केवट पुत्र काशीराम (38) ग्राम छावनी पठार बिलखिरिया में रहता था और सेंटरिंग का काम करता था। शनिवार सुबह उसने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मामले की जांच कर रहे एएसआई बेनी प्रसाद मीना ने बताया कि मृतक के पास सुसाइड नोट नहीं मिला है। आसपास के लोगों का कहना था कि कैलाश की शादी को दस-बारह साल हो गए थे, लेकिन उसको कोई संतान नहीं थी। इसको लेकर वह काफी दुखी रहता था। अनुमान है कि उसने इसी कारण से यह कदम उठाया होगा, लेकिन सही कारणों का खुलासा परिजन के बयान होने के बाद ही हो सकेगा।

8 महीने के बच्चे को दूध पिलाते समय बेसुध हुई मां की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित गांव देवलखेड़ा रविवार दोपहर एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के समय वह अपने आठ महीने के बच्चे को दूध पिला रही थी और एकाएक बेसुध हो गई। परिजन उसे लेकर सामूदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैरसिया लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण मर्ग डायरी एसडीओपी बैरसिया को सौंपी गई है। पुलिस के अनुसार रचना साहू पति जितेंद्र साहू (26) गांव देवलखेड़ा में रहती थी। वह गृहणी थी, जबकि पति खेती किसानी करते हैं। जितेंद्र और रचना की ढाई साल की बेटी है, जबकि दूसरा आठ महीने का बेटा है। परिजन ने बताया कि रचना रविवार दोपहर बेड पर लेटकर अपने आठ महीने के बच्चे को दूध पिला रही थी। कुछ देर बाद बच्चा रोने लगा। देवर ने भाभी को आवाज देकर कहा कि बच्चा रो रहा है, लेकिन भाभी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उसने देखा तो भाभी उसे अचेत अवस्था में नजर आई और उनके हाथ बेड के बाहर लटके हुए थे। उसने शोर मचाकर परिजन को बुलाया और भाभी को लेकर अस्पताल पहुंचा, वहां डॉक्टर ने बताया कि उसकी मौत हो चुकी है। परिजन से पूछताछ में पता चला कि रचना की शादी चार साल पहले ही हुई थी।

जहर खाने व फांसी लगाने से युवकों की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया इलाके में जहरीला पदार्थ खाने और सूखी सेवनिया फांसी लगाने से दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों ही मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल घटना के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। बैरसिया पुलिस के मुताबिक सीताराम जाटव (30) ललरिया चौकी का रहने वाला था और मजदूरी करता था। करीब दो महीने पहले उसकी शादी हुई थी। उसके बाद वह पत्नी के साथ बैरसिया में रहने लगा था। पिछले दिनों उसने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन ने उसे लांबाखेड़ा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां शनिवार को उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। इधर, सूखी सेवनिया थानांतर्गत सिद्ध नगर ओमकारा सेवनिया में रहने वाले शुभम रजक (24) ने शनिवार को घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने रविवार को पीएम के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। पुलिस ने बताया कि शुभम मजदूरी करता था। वह घर पर अकेला रहता था, जबकि पत्नी बच्चों को लेकर करीब डेड़ साल से अपने मायके में थी। मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस का कहना है कि परिजनों के बयान होने के बाद ही खुदकुशी के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

मेट्रो एंकर | राजधानी की देहात पुलिस ने तस्करी करने वाले तस्करों को पकड़ा

अवैध शराब तस्करों पर देहात पुलिस की कार्रवाई, हजारों रुपए की शराब जब्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी की देहात पुलिस ने शराब की तस्करी करने वाले पांच शराब तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से हजारों रुपए की शराब जब्त की है। पुलिस सभी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार ईंटखेड़ी पुलिस ने कल दोपहर पौने दो बजे पहली कार्रवाई गांव करधई जोड़ पर की। पुलिस ने यहां से गुनगा निवासी आरिफ अली पिता मुन्ना अली (30) को गिरफ्तार कर उसके पास से 22 क्वार्टर देशी शराब जब्त की। जब्त शराब की कीमत डेढ़ हजार रुपए बताई जा रही है। इसी तरह अगली कार्रवाई ईंटखेड़ी पुलिस ने गांव मनीखेड़ी कोट में की। पुलिस ने यहां से भारत सिंह पिता दौलत सिंह (47) निवासी परवलिया सड़क को गिरफ्तार कर बीस क्वार्टर देशी शराब जब्त की। जब्त शराब की कीमत चौदह सौ रुपए हैं। इसी प्रकार गुनगा पुलिस ने गांव उनिदा में अरविंद साहू को गिरफ्तार कर उसके पास से 20 क्वार्टर देशी शराब जब्त की।

नजीराबाद पुलिस ने भी की कार्रवाई

नजीराबाद पुलिस कीड़टीम ने गड़ा ब्राह्मण में कमल सिंह तंवर पिता तुलसीराम तंवर (50) निवासी नजीराबाद को गिरफ्तार कर उसके पास से 17 देशी शराब क्वार्टर जब्त किए। जब्त शराब की कीमत तेरह सौ साठ रुपए हैं। एक अन्य कार्रवाई नजीराबाद पुलिस ने कोलूखेड़ा डांग में की और नजीराबाद निवासी बुदेल सिंह को गिरफ्तार कर बीस क्वार्टर देशी शराब जब्त की।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022